■ आश्विन कृष्णा - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 52 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 14-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी का पांच राज्यों का दौरा पूरे भारत में प्रगति को गति देगा : माझी
6 नायब सूबेदार पी. पबीन सिंघा: ग्रेनेड धमाकों में भी रहे अडिग, एलओसी पर आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाया
7 अनुष्का शेट्टी ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

फर्स्ट टेक

हासन दुर्घटना में मृतक संख्या बढ़कर 10 हुई

बेंगलूरु/हासन/भाषा। कर्नाटक के हासन जिले के एक गांव में गणेश विसर्जन यात्रा में एक ट्रक के घुस जाने से हुई दुर्घटना में मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 10 हो गई। यह जानकारी पुलिस सूत्रों ने दी। यह हादसा शुक्रवार रात अरकलागुडु तालुक के मोसाले होसाहल्ली गांव में गणेश मूर्ति के विसर्जन यात्रा के दौरान हुआ था। पुलिस के अनुसार, एक मोटरसाइकिल सवार अचानक ट्रक के सामने आ गया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना से बचने के लिए, चालक ने ट्रक को मोड़ने की कोशिश की और इस दौरान वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया।

रूस के कामचातका क्षेत्र के पूर्वी तट के पास 7.4 तीव्रता का भूकंप

मॉस्को/एपी। रूस के कामचातका क्षेत्र के पूर्वी तट के पास शनिवार तड़के 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूविज्ञान सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने यह जानकारी दी। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की से 111.7 किलोमीटर पूर्व में और जमीन में 39 किलोमीटर की गहराई पर था। किसी तरह के जान माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशांत सुनामी चेतावनी प्रणाली ने संक्षेप में कहा कि भूकंप से सुनामी का खतरा है, लेकिन बाद में अपनी वेबसाइट से इस खतरे को हटा दिया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा कि तटीय क्षेत्रों में समुद्र के स्तर में मामूली बदलाव के बारे में चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन इसका मतलब है कि नुकसान की संभावना बहुत कम है। रूस के कामचातका प्रायद्वीप में 20 जुलाई, 2025 को पांच शक्तिशाली भूकंप आए थे जिसमें से एक की तीव्रता 7.4 मापी गई थी।

टीटीपी के कम से कम 35 आतंकवादी मारे गए : पाकिस्तान की सेना

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से कथित तौर पर जुड़े कम से कम 35 आतंकवादी मारे गए हैं। पाकिस्तानी सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि दोनों अभियानों में आतंकवादियों से लड़ाई में 12 सैनिकों ने भी अपनी जान गंवाई। आईएसपीआर के मुताबिक, ये अभियान पिछले चार दिन में चलाए गए।

14-09-2025 सूर्यास्त 6:10 बजे	15-09-2025 सूर्योदय 5:57 बजे
BSE 81,904.70 (+355.98)	NSE 25,114.00 (+108.50)
सोना 11,081 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 136,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

श्रेष्ठ मानव

काटेंगे सारे ही जंगल,
कर देंगे धरती वीरानी।
मीठे जो हो जाएं सागर,
पी जाएं सारा ही पानी,
खाएं मारें सब जीवों को,
हैं श्रेष्ठ जीव ज्ञानी दानी।
जल थल नभ को करदें मैला,
हम कुशल सबल नर विज्ञानी।।

भारत में महिला पायलटों की संख्या बढ़ रही है : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक परिवर्तन का वाहक बनकर उभरा है।

मुरैना/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है जहां महिला पायलटों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने इसे क्रांतिकारी बदलाव का संकेत बताया।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जहां अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों में महिला पायलट अपेक्षाकृत कम हैं, वहीं भारत में 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं। वह यहां एक डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र भवन की आधारशिला रखने और सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 38 लड़कियों को पासबुक वितरित करने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

आगामी डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि मुरैना और श्योपुर ज़िलों के साथ-साथ पड़ोसी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के निवासियों को पहले पासपोर्ट सेवाओं के लिए ग्वालियर, गुना, भोपाल या दिल्ली जाना पड़ता था लेकिन अब यह सुविधा मुरैना में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा,''30 लाख रुपये की लागत से बनने वाला प्रस्तावित भवन मुरैना लोकसभा क्षेत्र के निवासियों को पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करेगा। प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करने का निर्णय नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक परिवर्तन का वाहक बनकर उभरा है। सुकन्या समृद्धि योजना और उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं के तहत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को रसोई गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं तथा इन योजनाओं ने वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाया है।''

'वोट बैंक' की राजनीति के कारण पूर्वोत्तर को भारी नुकसान उठाना पड़ा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मिजोरम पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने 9,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की शुरुआत की

आइजोल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर को 'वोट बैंक' की राजनीति के कारण पहले भारी नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के प्रयासों से क्षेत्र अब देश के विकास के इंजन में तब्दील हो रहा है।

साल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद दूसरी बार मिजोरम पहुंचे मोदी ने 9,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की शुरुआत की और आइजोल के पास लेंगपुई हवाई अड्डे से एक जनसभा को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया, क्योंकि भारी बारिश के कारण वह शहर के बीचोंबीच स्थित कार्यक्रम स्थल लामुआल मैदान नहीं जा पाए।

मोदी ने आइजोल और दिल्ली के बीच पहली राजधानी एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने रेल, राजमार्ग, ऊर्जा और खेल अवसंरचना को बढ़ावा देने वाली विभिन्न परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे देश में कुछ राजनीतिक दल लंबे समय से 'वोट बैंक' की राजनीति करते आए हैं। उनका ध्यान हमेशा उन जगहों पर रहा, जहां ज्यादा वोट और सीट थीं। मिजोरम सहित पूरे पूर्वोत्तर को इस रवैये के कारण बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा, लेकिन हमारा नजरिया बिल्कुल अलग है। जो पहले उपेक्षित थे, वे अब सबसे आगे हैं। जो पहले हाशिये पर थे, वे अब मुख्यधारा में हैं। हम पिछले 11 वर्षों से पूर्वोत्तर के विकास के लिए काम कर रहे हैं और यह क्षेत्र भारत के विकास का इंजन बन रहा है।

मोदी ने कहा कि मिजोरम केंद्र सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति में एक प्रमुख भूमिका निभाता है और कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट परियोजना तथा रेल लाइन राज्य को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ेंगी।

प्रधानमंत्री ने 8,070 करोड़ रुपए की लागत वाली बैराबी-सैरंग लाइन की शुरुआत की, जिससे चारों तरफ से भूमि से घिरा मिजोरम देश के रेल नेटवर्क से पूरी तरह से एकीकृत हो गया। उन्होंने कहा कि यह मिजोरम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि 51.38 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन राज्य की राजधानी आइजोल को प्रमुख महानगरों से जोड़ेगी।

मोदी ने कहा कि विभिन्न चुनौतियों और दुर्गम इलाकों को पार करते हुए क्रियान्वित की गई यह परियोजना राज्य के लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगी तथा परिवहन के लिए जीवन रेखा साबित होगी।

प्रधानमंत्री ने आइजोल को दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता से जोड़ने वाली तीन नई एक्सप्रेस ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा, यह सिर्फ रेल कनेक्टिविटी नहीं है, बल्कि बदलाव की जीवन रेखा है। मिजोरम के किसान और व्यवसाय देशभर में अधिक बाजारों तक पहुंच स्थापित कर सकेंगे।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025:

उच्चतम न्यायालय कल अंतरिम आदेश सुनाएगा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय 15 सितंबर को तीन प्रमुख मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुनाएगा, जिसमें ''अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ'' घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। ये बिंदु वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आये थे। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने वक्फ मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद 22 मई को इन मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया था।

उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई 15 सितंबर की वाद सूची के अनुसार, अदालत इस मामले में अपना आदेश सुनाएगी। अंतरिम आदेश सुरक्षित रखने से पहले, पीठ ने संशोधित वक्फ कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं के वकीलों और केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें लगातार तीन दिनों तक सुनी थीं। पीठ ने पहले उन तीन मुद्दों की पहचान की थी, जिन पर याचिकाकर्ताओं ने अंतरिम आदेश के जरिये रोक लगाने का अनुरोध किया था। अधिसूचना रद्द करने के मुद्दे के अलावा, याचिकाकर्ताओं ने राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना पर भी सवाल उठाए हैं, उनका तर्क है कि बोर्ड और परिषद में केवल मुसलमानों को ही शामिल किया जाना चाहिए। तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से संबंधित है, जिसके अनुसार, जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करता है कि संपत्ति सरकारी है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

जीआरएसई ने नौसेना को पनडुब्बी रोधी दूसरा युद्धक पोत सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स' (जीआरएसई) लिमिटेड ने शनिवार को भारतीय नौसेना को एक पनडुब्बी रोधी उथले पानी का युद्धक जहाज सौंपा। यह देश की नौसेना के लिए शिपयार्ड द्वारा बनाए जा रहे आठ ऐसे पोतों की शृंखला में दूसरा पोत है।

जीआरएसई के एक अधिकारी ने बताया कि 'एंड्रोथ' नामक इस पोत की आपूर्ति इस शृंखला के पहले युद्धपोत अर्नाला को 18 जून को नौसेना में शामिल किए जाने के ठीक चार महीने बाद हुई है, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि लक्षद्वीप द्वीपसमूह के एंड्रोथ द्वीप के नाम पर बना यह युद्धपोत इस श्रेणी का दूसरा युद्धपोत है जिस पर जीआरएसई द्वारा निर्मित स्वदेशी 30 मिमी नौसैनिक सतह तोप लगाई गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना ने 16 उन्नत पनडुब्बी रोधी उथले पानी के युद्धक जहाजों (एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसी) का ऑर्डर दिया था, जिनमें से आठ-आठ जीआरएसई और एक अन्य भारतीय शिपयार्ड द्वारा बनाए जाने हैं। हालांकि सभी आठ एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसी जीआरएसई द्वारा लॉन्च किए गए हैं, लेकिन यह नौसेना को दिया जाने वाला दूसरा युद्धपोत है।

ट्रंप ने नाटो देशों से रूसी तेल की खरीद बंद करने की अपील की

■ चीन पर 50 से 100 फीसदी टैरिफ की धमकी दी

■ चीन और भारत के बाद रूसी कच्चे तेल का नाटो सदस्य तुर्किये तीसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा है

■ युद्ध की जिम्मेदारी उनके पूर्ववर्ती, जो बाइडन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पर है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बास्किंग रिज (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उनका मानना है कि यदि नाटो के सभी सदस्य देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें और रूसी पेट्रोलियम खरीदने को लेकर चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक 'टैरिफ' (शुल्क) लगा दें, तो रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म हो जाएगा।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया साइट पर किये गए पोस्ट में कहा कि युद्ध जीतने के लिए नाटो की प्रतिबद्धता ''100 प्रतिशत से भी कम'' रही है और उत्तरी अटलांटिक गठबंधन संधि (नाटो) के कुछ सदस्यों द्वारा रूसी तेल की खरीद ''चौंकाने वाली'' है। उन्होंने कहा, ''यह रूस के साथ आपकी बातचीत की स्थिति और सौदेबाज़ी की शक्ति को बहुत कमजोर करता है।''

ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र के अनुसार, चीन और भारत के बाद रूसी कच्चे तेल का नाटो सदस्य तुर्किये तीसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा है। रूसी तेल खरीदने वाले 32 देशों के गठबंधन के अन्य सदस्यों में हंगरी और स्लोवाकिया भी शामिल हैं।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि रूसी तेल पर नाटो द्वारा प्रतिबंध और चीन पर 'टैरिफ' लगाये जाने से ''इस घातक, लेकिन हास्यास्पद युद्ध को समाप्त करने में भी बहुत मदद मिलेगी।''

राष्ट्रपति ने कहा कि नाटो सदस्यों को चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत टैरिफ लगाना चाहिए और अगर रूस द्वारा 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के साथ शुरू हुआ युद्ध समाप्त हो जाता है, तो इसे वापस ले लेना चाहिए। उन्होंने लिखा, ''चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, यहां तक कि उसकी पकड़ भी है,'' और कड़े 'टैरिफ' ''उस पकड़ को तोड़ देंगे।''

अपने पोस्ट में, ट्रंप ने कहा कि युद्ध की जिम्मेदारी उनके पूर्ववर्ती, जो बाइडन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पर है। उन्होंने इस सूची में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शामिल नहीं किया।

'पाकिस्तान इस बात को नहीं भूले कि लादेन उसकी जमीन पर मारा गया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान पर 'दोहरे मानदंड' अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस्लामाबाद इस बात को झुठला नहीं सकता कि अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को उसने ही अपनी सरजमीं पर पनाह दी और वह वहीं मारा गया।

संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत डैनी डैनन ने पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद की ओर इशारा करते हुए कहा, जब बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया गया था, तब यह सवाल नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया? डैनन ने कहा, किसी ने यह सवाल नहीं पूछा। सवाल यह था कि आखिर एक आतंकवादी को पनाह क्यों दी गई? आज भी यही सवाल पूछा जाना चाहिए। जब बिन लादेन को नहीं बख्शा गया तो हमास को भी नहीं बख्शा जा सकता।

प्रधानमंत्री का मणिपुर दौरा महज 'प्रतीकात्मक' था : कांग्रेस

इम्फाल/भाषा। कांग्रेस की मणिपुर इकाई ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस पूर्वोत्तर राज्य की यात्रा को सिर्फ ''प्रतीकात्मक'' करार देते हुए कहा कि इस दौरान उन्होंने (मोदी ने) आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के पुनर्वास के बारे में ''कुछ नहीं'' कहा। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता ओकराम इबोबी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण में राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों पर मुक्त आवाजाही के बारे में भी कुछ नहीं कहा गया है। सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मोदी ने 60,000 आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों और उनके पुनर्वास के बारे में कुछ नहीं कहा। उन्होंने मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता पर भी कुछ नहीं कहा।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री को आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए पैकेज की घोषणा करनी चाहिए थी।'' मई 2023 में जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद मणिपुर की अपनी पहली यात्रा के दौरान, मोदी ने सभी मूहों से हिंसा छोड़ने का आग्रह किया, लोगों को आश्वासन दिया कि केंद्र हिंसा से तबाह हुए जीवन के पुनर्निर्माण में उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

नेपाल के राष्ट्रपति ने संसद भंग की, मार्च में नए चुनाव कराए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के संसद भंग करने के फैसले की शनिवार को कड़ी आलोचना की और इस कदम को ''असंवैधानिक'' तथा लोकतंत्र के लिए एक गंभीर झटका बताया है। दो दिनों के हिंसक प्रदर्शन के बार देश में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है।

उच्चतम न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की सिफारिश पर संसद को भंग करने के बाद, पौडेल ने यह भी घोषणा की कि अगले वर्ष पांच मार्च को नए चुनाव कराए जाएंगे । उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से सहयोग मांगा।

राष्ट्रपति ने एक बयान में सभी से अपील की कि वे ''लोगों के हितों की रक्षा और आत्म-अनुशासन बनाए रखते हुए समय पर चुनाव कराने के लिए कड़ी मेहनत से अर्जित अवसर का उपयोग करें।''

देश में एक सप्ताह तक हिंसक विरोध प्रदर्शन होने और इसके चलते के. पी. शर्मा ओली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कार्की (73) देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त हुई।

ओली ने मंगलवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के उनके कार्यालय में घुसकर उनके इस्तीफे की मांग के तुरंत बाद इस्तीफा दे दिया था। देशव्यापी प्रदर्शन में 50 से अधिक लोगों की जान चली गयी।

नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) समेत लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने संसद भंग करने के निर्णय की निंदा की।

संसद को भंग करने के कदम को अस्वीकार करते हुए, देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, नेपाली कांग्रेस ने चेतावनी दी कि संविधान का उल्लंघन करने वाली कोई भी कार्रवाई अस्वीकार्य होगी।

नेपाली कांग्रेस ने एक बयान में कहा, ''संसद को भंग करने का यह कदम हमारे संविधान की भावना और उच्चतम न्यायालय की व्याख्या के विरुद्ध है। यह पूरी तरह असंवैधानिक है।''

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, संसद 12 सितंबर की रात 11 बजे से भंग हो गई।

काठमांडू में राजनीतिक पारा भले ही चढ़ा हुआ था लेकिन देश में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है तथा प्रशासन कर्फ्यू एवं अन्य प्रतिबंध हटा रहा है।

सीपीएन-यूएमएल के महासचिव शंकर पोखरेल ने संसद को भंग करने कदम को ''चिंताजनक'' बताया।

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेता के हवाले से समाचार पोर्टल ने कहा, ''अतीत में, संसद को भंग करने के अधिकतर सरकारों के प्रयासों को असंवैधानिक बताकर चुनौती दी गई थी। विडंबना यह है कि वही आवाजें अब संसद को भंग करने का समर्थन कर रही हैं। हमें सतर्क रहना चाहिए।''

पांडुलिपियों के 'विशाल खजाने' के संरक्षण, प्रसार के लिए नई दिल्ली घोषणापत्र अपनाया गया

नई दिल्ली/भाषा। भारत की पांडुलिपि विरासत पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन 'ज्ञान भारतम' में शनिवार को इस बात पर जोर दिया गया कि पांडुलिपियां केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन करने वाला प्रकाश-पुंज हैं। विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के आखिरी दिन पांडुलिपियों में निहित ज्ञान को सहेजने, उनका डिजिटलिकरण करने और उन्हें लोगों के बीच पहुंचाने के लिए नई दिल्ली घोषणापत्र भी अपनाया गया। नई दिल्ली घोषणापत्र में कहा गया है कि पांडुलिपियां किसी राष्ट्र की जीवंत स्मृति और सभ्यतागत पहचान का आधार हैं। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां प्राचीन पांडुलिपियों का सबसे समृद्ध संग्रह है। इस संग्रह में लगभग एक करोड़ ग्रंथ शामिल हैं, जिनमें देश का पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत समाहित है।

सम्मेलन में अपनाए गए घोषणापत्र में मूल पांडुलिपियों को प्राप्त करने, उन्हें देश में लाने और उनकी डिजिटल प्रतियां सुरक्षित रखने का भी संकल्प लिया गया है। इसमें कहा गया है, हम इस विशाल खजाने को सहेजने, उसका डिजिटलीकरण करने और उसे लोगों के बीच पहुंचाने का संकल्प लेते हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि पांडुलिपियां केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन करने वाला प्रकाश-पुंज हैं। केंद्र सरकार ने संस्कृति मंत्रालय के तहत एक प्रमुख पहल के रूप में ज्ञान भारतम मिशन की शुरुआत की है। इसका मकसद भारत भर के शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में मौजूद एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण और डिजिटलीकरण करना तथा उनकी पहुंच सुलभ बनाना है। घोषणापत्र में लोगों को जागृत करने और ज्ञान भारतम मिशन को जन आंदोलन बनाने का भी संकल्प लिया गया है।

भारत, यूरोपीय संघ जल्द व्यापार समझौते पर काम करने के लिए प्रतिबद्धः गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए काम करने को प्रतिबद्ध हैं।

यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक और यूरोपीय कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हैनसेन व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत को गति देने यहां आए थे।

दोनों पक्षों के आधिकारिक दलों ने 13वें दौर की वार्ता की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट किया, ''भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के 13वें दौर की बातचीत के लिए आपकी मेजबानी करके हमें खुशी हुई। हम जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि दोनों पक्षों के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हों। आपकी यात्रा के लिए धन्यवाद।''

सहज स्मृति योग

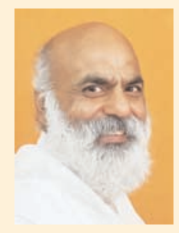

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, जब मुझे पता चलता है कि मैं जो काम कर रही हूँ वह सही है और जो दूसरे कर रहे हैं वह ग़लत है तो मैं उन्हें समझाती भी हूँ मग़र, समझाने के बाद भी वे वही काम करते रहते हैं तो मुझे बहुत गुस्सा आता है। मैं क्या करूँ?

उत्तर: सब को साथ लेकर चलना मानवी प्राथमिकता होने के कारण, सामान्य शिष्टाचार स्तर के पारस्परिक व्यवहार में तो क्या सही क्या ग़लत! यह मानना ही पड़ता है, इसमें संदेह नहीं। क्योंकि इस स्तर पर बिना 'सही-गलत' के भेद किए समाज व्यवस्था सुचारू रूप से चल नहीं पाती। पर, इस अनिवार्यता के आगे तो, क्या सही है और क्या ग़लत ? इसका निर्णय अभी तक के मानव चैतन्य के इतिहास में हुआ ही नहीं है। फिर भी आपने न जाने कैसे जान लिया कि आप सही हो। मेरे लिए तो आपका यह ज्ञान अर्जन आश्चर्य ही है और उससे भी महान आश्चर्य यह कि आपने दूसरे के ग़लत होने को भी जान लिया! लेकिन इन दोनों से भी बड़ा आश्चर्य यह कि इतना सही काम करके भी आप को क्रोध आ रहा है! आपने पूछा क्या करूँ ? तो बस आप क्रोध पर काबू करो। उसके बाद जो भी आप करोगी वह सही होगा या नहीं होगा, यह कहने का अधिकार तो नहीं मिला मुझे आपसे, पर तब आप जो भी करोगी वह आपको ठीक जरूर लगेगा। इतना साधिकार कहा जा सकता है। जब तक किसी की चेतना में आत्मा की सर्व व्यापकता का बोध स्थायी नहीं होता तब तक कुछ न कुछ मात्रा में तो उसमें क्रोध बना ही रहता है किंतु, संयम से यह कम होता जाता है। बस संयम रखिए । आप सब कुछ स्वतः समझतीं जाएँगी ।

संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने की गलत धारणाएं कैसे बन गईं: मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मप्र)/भाषा। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि संविधान बदलने और आरक्षण व्यवस्था खत्म किए जाने की निराधार आशंकाओं को लेकर जनमानस में बनाई गई गलत धारणाओं का कारण जानने के लिए अध्ययन की जरूरत है। उन्होंने 2024 के पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ विपक्षी दलों के प्रचार की ओर स्पष्ट इशारा करते हुए यह बात कही।

मेघवाल ने यहां विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विधि प्रकोष्ठ की अखिल भारतीय बैठक में किसी भी राजनीतिक दल का नाम लिए बगैर श्रोताओं से पूछा कि जनमानस में ये गलत धारणाएं क्यों

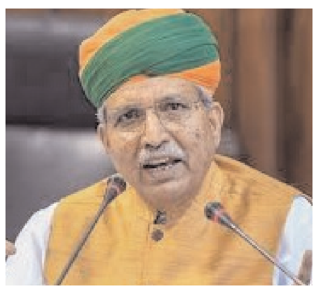

बनीं कि संविधान बदल दिया जाएगा और आरक्षण व्यवस्था समाप्त कर दी जाएगी? उन्होंने कहा कि इन गलत धारणाओं के बनने का कारण जानने के लिए अध्ययन करना ही पड़ेगा और अगर इस सिलसिले में कोई कमियां हैं, तो उन्हें दूर करना पड़ेगा।

मेघवाल ने कहा,''मुझे लगता है कि हमें सामाजिक समरसता को बढ़ाने की जरूरत है। वरना हमारे बीच ऐसी गलत धारणाएं क्यों बन जाती हैं? ये गलत धारणाएं नहीं बननी चाहिए और इनसे हमें नुकसान भी हुआ।'' भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान 'अबकी बार, 400 पार' का नारा दिया था। विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस ने इस नारे को लेकर हमला बोलते हुए कहा था कि भाजपा इसलिए 400 सीट जीतना चाहती है ताकि वह संविधान बदल सके और आरक्षण व्यवस्था खत्म कर सके। भाजपा ने इस आरोप को खारिज किया था। कानून मंत्री ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 543 में से 240 सीट ही मिलीं, लेकिन नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली 'मजबूत सरकार' विहिप के सुझावों के आधार पर वक्फ कानून में बदलाव के लिए अधिनियम लेकर आई। मेघवाल ने विहिप कार्यकर्ताओं से कहा,''हमने आपकी भावनाओं का पहले भी आदर किया है और निश्चित रूप से भविष्य में भी आदर करते रहेंगे।''

डीलरों को दी जाने वाली बिक्री पश्चात छूट पर जीएसटी लागू नहीं

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि विनिर्माताओं द्वारा डीलरों को केवल प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए दी जाने वाली बिक्री पश्चात छूट पर जीएसटी लागू नहीं होगा। बोर्ड ने हालांकि कहा कि अगर निर्माता और डीलर ने एक समझौता किया हो, जिसके तहत डीलर निर्माता की ओर से सह-ब्रांडिंग, विज्ञापन अभियान या बिक्री अभियान जैसी प्रचार गतिविधियां संचालित करता है, तो ऐसी छूटों पर जीएसटी देय होगा।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अंतर्गत द्वितीयक या बिक्री पश्चात छूट के संबंध में एक परिपत्र जारी करते हुए सीबीआईसी ने यह बात कही। बोर्ड को इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देने के लिए कई अभ्यावेदन मिले थे।

मुझे मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने की सोशल मीडिया संबंधी अटकलें निराधारः भगवंत मान

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि सोशल मीडिया पर उन्हें पद से हटाए जाने की अटकलें निराधार हैं तथा वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे। मान ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ ''विशेषज्ञों'' ने उनके अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान चार बार राज्य का मुख्यमंत्री बदल डाला।

मुख्यमंत्री को बृहस्पतिवार को मोहाली के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जहां उन्हें थकान और हृदय गति धीमी होने के कारण भर्ती कराया गया था। मान ने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल अमृतसर के स्वर्ण मंदिर आए थे, तब उन्होंने कहा था कि मान ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने कहा, ''ये कौन हैं? पूर्व पत्रकार, पूर्व तस्कर, पूर्व गैंगस्टर, पूर्व नशेड़ी। ये लोग सोशल मीडिया पर विशेषज्ञ बनकर बैठे हैं। ये वीडियो के 'व्यूज' के लिए कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ नहीं बोलते क्योंकि वे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से डरते हैं।'' मान ने लोगों से ऐसे ''फेसबुक विशेषज्ञों'' से बचने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे पर आए केंद्रीय मंत्रियों से संबंधित सवाल पर मान ने आरोप लगाया कि वे सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए यहां आ रहे हैं।

हाइक ने बंद किया अपना कामकाज, संस्थापक कविन मित्तल ने इसे बताया 'कठिन फैसला'

नई दिल्ली/भाषा। हाइक के संस्थापक कविन मित्तल ने 13 साल पुराने अपने स्टार्टअप को पूरी तरह बंद करने की घोषणा की है। मित्तल ने कहा कि अमेरिका में कंपनी के कारोबार ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन भारत में पैसे आधारित गेमिंग पर प्रतिबंध लगने के बाद वैश्विक विस्तार व्यवहार्य नहीं रह गया है। लिंक्डइन पर मित्तल ने लिखा, ''हमने निवेशकों और टीम के साथ विचार-विमर्श के बाद हाइक को पूरी तरह बंद करने का कठिन निर्णय लिया है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका में हाइक का नया व्यवसाय केवल नौ महीने पहले शुरू हुआ था और शुरुआत अच्छी रही, लेकिन भारत में प्रतिबंध के बाद वैश्विक स्तर पर विस्तार के लिए पूरी रणनीति फिर से बनानी पड़ती, जो फिलहाल तर्कसंगत नहीं है।

कांग्रेस की सरकारों ने मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित किया : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि इस पार्टी की पिछली सरकारों ने तुष्टिकरण की नीति के तहत मुस्लिम महिलाओं को उनके जायज अधिकारों से वंचित किया।

यादव ने इंदौर में विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के एक कार्यक्रम में प्रसिद्ध शाहबानो प्रकरण का उल्लेख करते हुए यह बात कही। शाहबानो इंदौर की ही रहने वाली थीं। उन्होंने 1978 में अपने पति द्वारा तलाक दिए जाने के बाद उससे गुजारा-भत्ता पाने के लिए स्थानीय अदालत में मुकदमा दायर किया था। शीर्ष न्यायालय ने 1985 में शाहबानो के पक्ष में फैसला सुनाया था।

मुस्लिम संगठनों के विरोध प्रदर्शनों के बाद राजीव गांधी सरकार ने 1986 में मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम बनाया था। इस कानून ने शाहबानो प्रकरण में शीर्ष न्यायालय के फैसले को अप्रभावी बना दिया था। मुख्यमंत्री यादव ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहने के दौरान हमेशा तुष्टिकरण की नीति अपनाते हुए मुस्लिम महिलाओं को उनके जायज अधिकारों से वंचित किया। उन्होंने कहा,''अपने जायज अधिकारों के लिए लड़ने वाली मुस्लिम बहनों के साथ अन्याय का पाप कांग्रेस और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने किया था।'' यादव ने उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर शांतिपूर्ण तरीके से भव्य मंदिर बनने और इसमें प्राण-प्रतिष्ठा होने का भी जिक्र किया। उन्होंने मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मसले को लेकर विचाराधीन मामले की ओर इशारा करते हुए कहा,''भगवान विश्वनाथ हमें आनंद का अवसर दे रहे हैं। बाबा महाकाल के महालोक का आनंद आ गया है और भगवान राम भी आनंद से मुस्कुरा रहे हैं। निश्चित तौर पर कानूनसम्मत तरीके से हमारी और आप सबकी आंखों के सामने कृष्ण कन्हैया भी मुस्कुराएंगे और मथुरा में आनंद छाएगा।'' मुख्यमंत्री ने नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के कानूनी सुधारों की तारीफ करते हुए कहा,''भारत का कानून आंखें खोलकर न्याय करने वाला है। आंखें बंद करके न्याय नहीं हो सकता है।'' यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार तीनों नई न्याय संहिताओं को लागू करने की दिशा में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने धर्मस्थलों पर लगाए जाने वाले ध्वनिविस्तारक यंत्रों के नियमन और खुले में मांस की बिक्री पर रोक को लेकर राज्य सरकार के कदमों का उल्लेख किया और कहा,''लाउडस्पीकर कहीं भी लगे हों, लेकिन उनकी संख्या और ध्वनिसीमा तो नियत होनी ही चाहिए। हमने नियम-कायदों के मुताबिक राज्य में 60,000 से ज्यादा लाउडस्पीकर हटाए हैं।'' यादव ने यह भी कहा,''आप अपने-अपने धर्म की इबादत करो। इसकी कोई मनाही नहीं है, लेकिन कानून का पालन तो सबको करना पड़ेगा। कानून सबके लिए बराबर है।''

हैदराबाद में महिला की हत्या का मामला सुलझा, पुलिस ने रांची से 3 लोगों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की साइबराबाद पुलिस ने हैदराबाद में एक महिला की नृशंस हत्या का मामला सुलझाने का दावा करते हुए रांची से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि यह लूटपाट के इरादे से की गई हत्या का मामला है। रेणुका अग्रवाल (50) को 10 सितंबर को कुकटपल्ली स्थित उसके फ्लैट में दो घरेलू सहायकों ने कथित तौर पर रस्सी से बांध दिया, प्रेशर कुकर से मारा और फिर चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। महिला के पति की शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि जांच के आधार पर पीड़ित परिवार के घरेलू सहायक हर्ष कुमार और उसी अपार्टमेंट में रहने वाले एक अन्य परिवार के घरेलू सहायक रोशन को गिरफ्तार कर लिया गया है। बयान के मुताबिक, पुलिस ने राजू वर्मा नामक एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है, जिसने वारदात के बाद हर्ष और रोशन को रांची में कथित तौर पर शरण दी थी। बयान में कहा गया है कि हर्ष और रोशन नकदी और कीमती सामान लूटने की साजिश के तहत रेणुका के परिवार के सदस्यों की गतिविधियों पर नजर रखते थे। इसमें कहा गया है कि 10 सितंबर को जब रेणुका का पति और बेटा काम पर गए, तब दोनों ने उस पर हमला कर दिया, उसके हाथ-पैर बांध दिए और गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। बयान के अनुसार, हत्या के बाद दोनों ने गहने, नकदी और घड़ियां चुराईं तथा रांची भाग गए, जहां राजू वर्मा ने उन्हें पनाह दी। इसमें कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज से अपराध में आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि हुई है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार युवकों ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया और उनके पास से चोरी के गहने, 16 घड़ियां और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए है। उसने बताया कि रोशन पर रांची में पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अब तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गएः आयकर विभाग

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने शनिवार को कहा कि आकलन वर्ष 2025-26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। बिना जुर्माने के आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' करदाताओं और कर पेशेवरों को धन्यवाद, जिन्होंने हमें अब तक छह करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) तक पहुंचने में मदद की है और यह संख्या अभी भी जारी है।''

पोस्ट में कहा गया कि आईटीआर फाइलिंग, कर भुगतान और अन्य संबंधित सेवाओं के लिए करदाताओं की सहायता के लिए हेल्पडेस्क चौबीसों घंटे काम कर रहा है, और विभाग अन्य माध्यम से भी सहायता प्रदान कर रहा है। विभाग ने उन करदाताओं से भी जल्द से जल्द आईटीआर दाखिल करने का आग्रह किया है जिन्होंने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए अभी तक आईटीआर फाइल नहीं किया है, ताकि आखिरी समय की भीड़ से बचा जा सके।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच पर अलग-अलग राय होना सामान्य बात : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार ने शनिवार को कहा कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के संबंध में उचित मंच पर फैसला लिया गया है और इस मुद्दे पर लोगों की अलग-अलग राय होना सामान्य बात है।

पवार ने संवाददाताओं से कहा, ''देश की आबादी 140 करोड़ है, इतने बड़े देश में क्रिकेट मैच को लेकर मतभेद होना स्वाभाविक है। कुछ लोगों को लग सकता है कि चूंकि दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हैं, इसलिए मैच नहीं होना चाहिए। वहीं, कुछ लोग इस खेल का समर्थन भी कर सकते हैं।''

राकांपा नेता ने दावा किया कि उन्हें जानकारी है कि मैच निर्धारित समय पर ही होगा और उचित स्तर पर निर्णय ले लिया गया है। जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद से पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों के बहिष्कार की मांग तेज हो गई है। सरकार की नई खेल नीति के अनुसार, भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय मुकाबले नहीं खेलेगा, लेकिन एशिया कप और आईसीसी प्रतियोगिताओं जैसे बहुपक्षीय टूर्नामेंट में उनका सामना करना जारी रखेगा।

अपराधों में नाबालिगों की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर पवार ने 12 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिगों द्वारा किए गए गंभीर अपराधों के लिए दंड का प्रावधान शामिल करने का प्रस्ताव रखा। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर कोई आरोपी 18 साल से कम उम्र का है, तो उसे नाबालिग मानकर छोड़ दिया जाता है। यह एक कानूनी बाधा है। हमने कैबिनेट की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की और सभी ने सकारात्मक रुख दिखाया। हालांकि, इस मामले को लेकर हम यह सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़ रहे हैं कि कानूनी और संवैधानिक ढांचे को नुकसान न पहुंचे।''

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच राष्ट्रीय भावनाओं का अपमान : उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना राष्ट्रीय भावना का अपमान है क्योंकि भारतीय सैनिक सीमा पर अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं। ठाकरे ने पूरे महाराष्ट्र में 'सिंदूर' प्रदर्शन की घोषणा की।

उद्धव ने मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एशिया कप में दोनों देशों के बीच रविवार को होने वाले मैच का बहिष्कार करके दुनिया को आतंकवाद पर भारत के रुख से अवगत कराने का एक अवसर है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार यह घोषणा करने जा रही है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' रोक दिया गया है। उन्होंने देशभक्तों से अपील की कि वे क्रिकेट मैच नहीं देखें, क्योंकि पहलगाम आतंकवादी हमले के घाव अब भी ताजा हैं।

ठाकरे ने कहा, ''यह क्रिकेट मैच राष्ट्रीय भावनाओं का अपमान है। क्या हमें पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना चाहिए जबकि हमारे सैनिक सीमा पर अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं? उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए क्रिकेट मैच को देशभक्ति का मजाक बताया। उन्होंने कहा कि मैच का बहिष्कार करने से दुनिया को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के बारे में एक कड़ा संदेश जाएगा। उन्होंने कहा, ''यह (अविभाजित) शिवसेना प्रमुख (बाल ठाकरे का रुख) था। अगर खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते, तो क्रिकेट और खून साथ-साथ कैसे जारी रह सकते हैं?'' उन्होंने आरोप लगाया कि वे (भाजपा) देशभक्ति के नाम पर व्यापार कर रहे हैं। ठाकरे ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) इस

मैच के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की महिला कार्यकर्ता सिंदूर इकट्ठा करके प्रधानमंत्री कार्यालय भेजेंगी।

उद्धव ठाकरे ने मुंबई स्थित ठाकरे परिवार के आवास 'मातोश्री' में बाल ठाकरे और पाकिस्तानी क्रिकेटर जावेद मियांदाद के बीच हुई एक पुरानी मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा, मेरे पिता ने जावेद मियांदाद से कहा था कि जब तक पाकिस्तान से भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां जारी रहेंगी, तब तक कोई क्रिकेट मैच नहीं खेला जाएगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा, ''जब तक आतंकवाद नहीं रुकता, हमें पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए।''

पाकिस्तान पर केंद्र के रुख पर सवाल उठाते हुए ठाकरे ने कहा कि भारत की विदेश नीति कमजोर साबित हुई है और ऐसा लगता है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को देश वापस नहीं ले पाएगा। उन्होंने कहा, ''आप कह रहे थे कि पाकिस्तान आतंक फैला रहा है और अब आप उसी देश के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं। पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है या नहीं? वह हमारा दुश्मन है या नहीं? सैनिक शहीद हो रहे हैं और ये लोग क्रिकेट खेल रहे हैं। यह ठीक नहीं है।''

'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 7 मई, 2025 को शुरू किया गया था। यह नियंत्रण रेखा के पार और पाकिस्तान के अंदर तक आतंकवादी ढांचों को ध्वस्त करने के लिए सशस्त्र बलों द्वारा एक लक्षित अभियान था। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई थी। इस बीच, ठाकरे ने 1980 के मॉस्को ओलंपिक का अमेरिका द्वारा बहिष्कार किए जाने की घटना को याद किया। उन्होंने कहा कि जवाबी कार्रवाई में, रूस, जो उस समय सोवियत संघ का हिस्सा था, लॉस एंजिलिस में 1984 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में शामिल नहीं हुआ, क्योंकि सोवियत संघ और उसके 13 सहयोगी देशों ने इन खेलों का बहिष्कार किया था।

अमेरिका ने वर्ष 1979 के अंत में अफगानिस्तान पर सोवियत संघ के आक्रमण के विरोध में मॉस्को में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का बहिष्कार किया था। कुल मिलाकर, 65 देशों ने इन खेलों में भाग लेने से इनकार कर दिया था, जबकि 80 देशों ने अपने खिलाड़ी प्रतियोगिता में भेजे थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चुनाव अभियान शुरू होने से पहले अभिनेता-राजनीतिक नेता विजय का भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक विजय का 2026 के विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत से पहले शनिवार को उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भव्य स्वागत किया।

अभिनेता-राजनीतिक नेता विजय चेन्नई से चार्टर्ड विमान से यहां स्थित हवाई अड्डे पर पहुंचे। पार्टी के झंडे लिए उत्साही टीवीके कार्यकर्ताओं ने उन्हें देखने के लिए हवाई अड्डा परिसर में कई स्थानों पर लगे अवरोधकों को हटा दिया।

भीड़ के उमड़ने के साथ ही विजय का वाहन धीरे-धीरे आगे बढ़ता रहा और उन्होंने बस के अंदर से पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे लहराए, पार्टी के झंडे वाली टोपी पहनी। कई लोगों ने स्वागत में पोस्टर भी लहराए जिन पर विजय की तस्वीर छपी थी। समर्थक और पदाधिकारी दोपहिया वाहनों तथा कारों में सवार होकर पहुंचे। विजय के पहले चुनाव अभियान की वजह से शहर में यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई और जनता को असुविधा का सामना करना पड़ा।

टीवीके कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ शहर की सड़कों पर उमड़ पड़ी, जिससे विजय के प्रचार वाहन को छोटी सी दूरी तय करने में भी घंटों लग गए।

इसके चलते टीवीके प्रमुख 2.30 घंटे बाद भी रैली स्थल 'मरक्कड़ई एमजीआर प्रतिमा स्थल' तक नहीं पहुंच सके। विजय को रैली स्थल पर सुबह 10.35 बजे अपना संबोधन शुरू करना था और 11 बजे तक पूरा करना था।

विजय को देखने के लिए प्रशंसक पेड़ों, खंभों और अन्य ढांचों पर चढ़ गए तथा सड़क और फ्लाईओवर के किनारे भी एकत्र हो गए। इस अवसर पर गहरे पीले रंग के कपड़े पहने मंडलियों ने सांस्कृतिक गीत प्रस्तुत किए और कई टीवीके महिला कार्यकर्ताओं ने विजय का स्वागत करने के लिए पारंपरिक 'पूर्णकुम्हम' धारण किया। टीवीके प्रमुख का भाषण सुनने के लिए मणप्पराई समेत आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में प्रशंसक सुबह-सुबह ही रैली स्थल पर पहुंच गए थे। बताया जा रहा है कि थकान के कारण कई कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पर ही बेहोश हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। विजय के स्वागत में प्रचार में 'तिरुप्पुमुनाये' (निर्णायक मोड़), ''मुथालवरे (मुख्यमंत्री)'' जैसे नारे लगाए गए।

विजय सुबह 9.40 बजे हवाई अड्डे पर पहुंचे और पार्टी कार्यकर्ताओं तथा प्रशंसकों के विशाल जुलूस के बीच उनकी गाड़ी काफी धीरे चल रही थी। जैसे ही उनकी गाड़ी आगे बढ़ी, विजय ने अपने प्रशंसकों को सफेद शर्ट और चश्मा भेंट किए। भारी भीड़ को देखते हुए विजय को हवाई अड्डे से बाहर निकलने में ही लगभग एक घंटा लग गया और हवाई अड्डे से लगभग 6 किलोमीटर दूर, सभा स्थल 'एमजीआर पॉइंट' तक पहुंचने में उन्हें लगभग 4 घंटे लगे। जैसे-जैसे समय बीतता गया, हर तरफ से और भी लोग जुड़ते गए तथा विजय के वाहन के पीछे चलते रहे।

लोग प्रचार वाहन के करीब पहुंचने के लिए एक-दूसरे से धक्का-मुक्की और होड़ में लगे रहे, जिससे कई जगहों पर भगदड़ मचने की आशंका पैदा हो गई। पुलिस ने रैली के आयोजन के लिए 20 से ज्यादा शर्तें लगाईं। तमिलगा वेत्री कझगम की स्थापना के बाद विजय का यह पहला चुनावी अभियान दौरा है।

अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय का पहला चुनावी भाषण तकनीकी खराबी की भेंट चढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलगा वेत्री कषगम प्रमुख विजय ने शनिवार को पहली बार प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने प्रचार वाहन से भाषण दिया। हालांकि, ऑडियो समस्याओं के चलते उनके 20 मिनट के भाषण में से केवल एक से दो मिनट का संबोधन ही स्पष्ट रूप से सुनाई दे सका। हजारों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं, प्रशंसकों और आम लोगों ने 'विजय, विजय' के नारे लगाए, जबकि उनका भाषण कुछ टिप्पणियों, शब्दों और बिंदुओं को छोड़कर लगभग समझ से परे था।

उन्होंने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को मुश्किल में डालने के लिए कई सवाल उठाने के बाद लोगों से पूछा, क्या आप द्रमुक को वोट देंगे? विजय का एक प्रमुख आरोप यह था कि द्रमुक सरकार ने 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले किए गए अपने वादों को पूरा नहीं किया।

उन्होंने अवैध किडनी बिक्री गिरोह को लेकर भी द्रमुक सरकार पर निशाना साधा। अपराह्न 3 बजे जब विजय ने अपना भाषण शुरू किया, तो उन्होंने अपनी पहली रैली के लिए तिरुचिरापल्ली को चुनने की वजह बताई।

उन्होंने कहा कि यहीं पर द्रविड़ नेता और द्रमुक के संस्थापक सीएन अन्नादुरै ने 1956 में चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया था। यहीं पर अन्नाद्रमुक के संस्थापक एम जी रामचंद्रन ने 1972 में अपनी पार्टी की स्थापना के बाद 1974 में अपना पहला राज्य सम्मेलन आयोजित किया था। तिरुचिरापल्ली सांप्रदायिक सद्भाव के लिए भी प्रसिद्ध है और तर्कवादी नेता 'पेरियार' ई.वी. रामासामी भी यहीं रहते थे।

प्राचीन काल में युद्धभूमि में जाने से पहले, राजा अपने कुलदेवताओं की पूजा करते थे। विजय ने बताया कि ठीक वैसे ही, वह भी तिरुचिरापल्ली की यात्रा पर आए हैं। उन्होंने कहा कि तिरुचिरापल्ली में जब भी कोई राजनीतिक पहल शुरू होती है, वह अंततः एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होती है। इस बीच, पार्टी ने स्वीकार किया कि तकनीकी खराबी के कारण ऑडियो संबंधी समस्याएं आईं।

टीवीके ने कहा कि इस समस्या का समाधान कर लिया गया है और अब पार्टी प्रमुख का भाषण स्पष्ट रूप से सुना जा सकेगा। सफेद कमीज पहने विजय ने प्रचार बस की छत पर एक मंच जैसे ढांचे से अपना भाषण दिया। इस दौरान कार्यकर्ता लगातार पार्टी के झंडे लहराते रहे।

द्रमुक ऐसा आंदोलन नहीं, जो सार्वजनिक जीवन को बाधित करे : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम ऐसा आंदोलन नहीं है जहां बड़ी संख्या में जुटे लोगों के शोरगुल से सार्वजनिक शांति भंग हो, बल्कि यह ऐसा आंदोलन है जिसने राज्य की विशिष्ट पहचान को संरक्षित किया है और आधुनिक तमिलनाडु का निर्माण किया है।

स्टालिन ने अभिनेता-राजनीतिक नेता विजय के आज तिरुचिरापल्ली से शुरू हुए पहले राज्यव्यापी दौरे पर परोक्ष रूप से हमला किया, जहां अभिनेता के उत्साही प्रशंसक उनका स्वागत करने के लिए उमड़ पड़े और कुछ जगहों पर अपने नेता के करीब पहुंचने के लिए सुरक्षा घेरा तोड़ दिया।

द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता अनुशासित और समर्पित हैं जो हमेशा रचनात्मक गतिविधियों में रुचि दिखाते हैं। स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे एक पत्र में कहा, द्रमुक ऐसा आंदोलन नहीं है जो सिद्धांतहीन भीड़ इकट्ठा करता है और जनता को परेशान करता है। द्रमुक ऐसा आंदोलन नहीं है जो शोरगुल करता है और सार्वजनिक जीवन को बाधित करता है। जब हम इकट्ठा होते हैं, तो हम एक अनुशासित बटालियन के रूप में इकट्ठा होते हैं; और बैठक के बाद, हम एक मिशन के सैनिकों की तरह तितर-बितर हो जाते हैं।''

स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे 17 सितंबर को करूर में आयोजित होने वाले द्रमुक के वार्षिक 'मुप्पेरुम विझा' कार्यक्रम में अवश्य शामिल हों। यह कार्यक्रम तर्कवादी नेता पेरियार' ई वी रामासामी और पूर्व मुख्यमंत्री सी एन अन्नादुरई की जयंती तथा द्रमुक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा।

केरल मंत्रिमंडल ने निजी भूमि पर चंदन के पेड़ों की कटाई से जुड़े विधेयक को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में निजी भूमि पर चंदन के पेड़ों को काटने और बेचने पर जल्द ही दंडात्मक कार्रवाई से छूट मिल सकती है। इस बाबत राज्य मंत्रिमंडल ने एक मसौदा विधेयक को मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल ने शनिवार को एक मसौदा विधेयक को मंजूरी दे दी, जो वन विभाग की अनुमति के अधीन है। इस विधेयक में निजी जमीन पर मौजूद चंदन के पेड़ों को काटने और बेचने की अनुमति देने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में एक विशेष मंत्रिमंडल ने इस संबंध में केरल वन अधिनियम, 1961 में संशोधन करने के लिए केरल वन (संशोधन) विधेयक, 2025 के मसौदे को मंजूरी दे दी। यहां मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है। इस विधेयक में वन विभाग के माध्यम से निजी भूमि पर चंदन के पेड़ों को काटने और बेचने की अनुमति देने का प्रावधान है, साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बिक्री से प्राप्त राशि किसानों को मिले।

राज्य के वन मंत्री ए के ससीन्द्रन ने एक बयान में कहा कि एक किलोग्राम चंदन की लकड़ी का वर्तमान बाजार मूल्य गुणवत्ता के आधार पर 4,000 रुपये से 7,000 रुपये के बीच है और इसमें आगे और वृद्धि होने की संभावना है। मंत्री ने कहा, ''अभी अगर किसी की अपनी जमीन से चंदन का पेड़ चोरी कर लिया जाता है, तो जमीन के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज करना पड़ता है। यही कारण है कि लोग चंदन के पेड़ लगाने को तैयार नहीं हैं।''

पीसीईई ने नव विद्युतीकृत खंड का निरीक्षण और उच्च गति परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर (पीसीईई) श्रीगणेश ने 13 सितंबर को मदुरै मंडल में रामनाथपुरम और रामेश्वरम रेलवे स्टेशनों के बीच नव विद्युतीकृत 52 किलोमीटर लंबे रेल खंड का निरीक्षण किया और रामेश्वरम से रामनाथपुरम के बीच हाई-स्पीड ट्रायल रन भी किया। पीसीईई के साथ मुख्य विद्युत वितरण इंजीनियर विष्णु कांत, मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण ए. सुंदरेसन, मुख्य सिग्नल इंजीनियर, दक्षिण रेलवे पी.के.डेका और मदुरै मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक एल.एन.राव भी मौजूद थे।

पीसीईई ने अपने निरीक्षण के दौरान, रामेश्वरम-रामनाथपुरम खंड में नव स्थापित विद्युत प्रणाली जैसे ओएचई, सबस्टेशन और संबंधित उपकरण, पॉइंट, क्रॉसिंग और मोड़, आरओबी/आरयूबी, एफओबी, लेवल क्रॉसिंग, इंटरलॉकिंग और अन्य सुरक्षा मानकों जैसे विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। पीसीईई ने नए पंबन पुल का भी निरीक्षण किया और रेलवे विद्युतीकरण के तहत पुल में नव स्थापित विभिन्न विद्युत उपकरणों का निरीक्षण करने के अलावा, इसकी कार्यक्षमता की समीक्षा की।

तमिलनाडु सरकार ने किया काजू बोर्ड का गठन

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने काजू उत्पादकों और श्रमिकों के कल्याण की रक्षा करने और काजू उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'काजू बोर्ड' का गठन किया गया है, जिसका मुख्यालय कुड्डलोर में होगा। राज्य सरकार का मानना है, इससे राज्य से काजू के निर्यात में भी वृद्धि होने की संभावना है।

राज्य में काजू एक प्रमुख बागवानी फसल है। इस वर्ष 43,460 मीट्रिक टन काजू का उत्पादन हुआ है। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु देश में काजू उत्पादन में पांचवें स्थान पर है और काजू निर्यात में दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। राज्य में काजू की खेती 2.09 लाख एकड़ भूमि पर की जाती है।

राज्य के कृषि मंत्री एम. आर. के. पन्नीरसेल्वम के अनुसार, इस बोर्ड के गठन से कृषि में रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे, मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) को बढ़ावा मिलेगा और काजू क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। उन्होंने 12 सितंबर को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के कृषि बजट में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, 10 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ बोर्ड का गठन किया गया है।

संसद की संयुक्त समिति के बहिष्कार के बारे में किसी भी पार्टी ने मुझे पत्र नहीं लिखा : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें तीन विधेयकों की समीक्षा के लिए संसद की संयुक्त समिति का बहिष्कार करने के बारे में पत्र नहीं लिखा है।

केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किये गये इन विधेयकों में गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार होने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान किया गया है। कम से कम चार पार्टियों (तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उबाठा) और आम आदमी पार्टी ने घोषणा की है कि वे समिति का हिस्सा नहीं होंगी, जबकि कांग्रेस ने अभी तक इस मुद्दे पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। बिरला ने तीन विधेयकों पर संसद की संयुक्त समिति का विपक्षी दलों द्वारा बहिष्कार किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, जेपीसी के मुद्दे पर किसी भी राजनीतिक दल ने मुझे लिखित में कोई सूचना नहीं दी है।

मानसून सत्र के अंतिम दिन गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए थे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने संसद की संयुक्त समिति में शामिल होने के लिए राजनीतिक दलों से सांसदों के नाम मांगे हैं। बिरला ने कहा, राजनीतिक दलों से सांसदों के नाम प्राप्त होने के बाद जेपीसी का गठन किया जाएगा। इन विधेयकों को लेकर समूचे विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया और दावा किया कि ये असंवैधानिक हैं तथा इनका उद्देश्य विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ उसके नेताओं को निशाना बनाना है।

स्वस्थ बहस लोकतंत्र की सफलता की नींव है : बसवराज होर्राट्टी

बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने विश्वास व्यक्त किया है कि विधानमंडलों में आयोजित समाजोन्मुखी एवं स्वस्थ बहस लोकतंत्र की सफलता की नींव है। बेंगलूरु में आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र सम्मेलन में जनता का विश्वास प्राप्त करने और जन चिंताओं के समाधान में विधायी बहस की भूमिका विषय पर एक पेपर प्रस्तुत करते हुए बसवराज होरट्टी ने कहा कि विधान सभा निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए जन चिंताओं पर चर्चा करने, सरकारी नीतियों की समीक्षा करने और कानून बनाने की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एक प्रभावी मंच है, और जनप्रतिनिधियों को इसका प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए पहल करनी चाहिए। अध्यक्ष बसवराज होर्राट्टी ने कहा कि प्रतिनिधियों को हमेशा सहज और कूटनीतिक रास्ते चुनने चाहिए ताकि प्रत्येक सदस्य सदन की कार्यवाही के प्रमुख तत्वों जैसे प्रश्नकाल, शून्यकाल बहस, आधे घंटे की बहस, संक्षिप्त प्रश्न और सदन का ध्यान आकर्षित करने के प्रस्तावों के माध्यम से सदन में अवसरों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सके।

क्या ईसाई धर्म में जाति और उपजाति व्यवस्था मौजूद है? : रवि कुमार

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने शुक्रवार को यहाँ कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या आधुनिक ब्रह्मा साबित हुए हैं क्योंकि उन्होंने इस जनगणना के लिए नई जातियों का निर्माण किया है। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में, रवि कुमार ने व्यंग करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग ने कुम्बारा ईसाई, गनीगा ईसाई, ब्राह्मण ईसाई, वोक्कालिगा ईसाई, लिंगायत ईसाई आदि जैसी नई जातियों की सूची जारी की है। हिंदू समाज की जातियाँ और उपजातियाँ ईसाई धर्म का हिस्सा कैसे हो सकती हैं? रवि कुमार ने पूछा और आगे कहा, यह हिंदुओं को तोड़ने और अल्पसंख्यक समुदाय को एकजुट करने की कांग्रेस की एक शैतानी साजिश के अलावा और कुछ नहीं है। रवि कुमार ने सिद्दरामय्या पर गुप्त इरादे से धर्म परिवर्तन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी करने के सरकार के प्रस्ताव का भी विरोध किया। रवि कुमार ने आगे कहा, शिवाजी पूरे दक्षिण भारत में हिंदू समुदाय के प्रतीक और हिंदू धर्म के रक्षक हैं। भाजपा अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की इस राजनीति का कड़ा विरोध करती है। रवि कुमार ने मुस्लिम महिलाओं को शादी के लिए 50,000 रुपये देने के प्रस्ताव पर भी कड़ी आपत्ति जताई।

वायनाड में प्रियंका के दौरे के बीच दो आत्महत्याओं के चलते कांग्रेस बचाव की मुद्रा में दिखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के पहाड़ी जिले वायनाड में पार्टी के दो कार्यकर्ताओं की कथित आत्महत्याओं (एक पिछले साल और दूसरी एक दिन पहले) ने केरल में विपक्षी कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया है। यह ऐसे समय में विशेष रूप से नुकसानदेह है जब कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद हैं। वायनाड के मुल्लानकोली में एक स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता की कथित आत्महत्या के एक दिन बाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के पूर्व कोषाध्यक्ष एन एम विजयन की बहू ने कथित तौर पर अपनी कलाई काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि पद्मजा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और अब उनकी हालत स्थिर है।

उन्होंने खुदकुशी का यह प्रयास मीडिया को यह बताने के कुछ घंटों बाद किया कि पिछले साल विजयन की मृत्यु के बाद पार्टी द्वारा वादा की गई वित्तीय सहायता अभी तक नहीं मिली है। एक त्रासदी में विजयन के साथ उनके बेटे जिजेश की भी जान चली गई थी। अठहत्तर वर्षीय विजयन और उनके 38 वर्षीय बेटे ने कथित तौर पर कर्ज में डूबने के कारण जहर खा लिया था। परिवार का दावा है कि उन्होंने पार्टी गतिविधियों के लिए भारी कर्ज लिया था और चुका ना पाने पर उन्होंने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद कांग्रेस ने देनदारियों की जिम्मेदारी लेने का आश्वासन दिया था। लेकिन पद्मजा ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि परिवार पर अब भी दो करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है, जिसमें से 20 लाख रुपये से भी कम का भुगतान किया गया है।

पद्मजा ने कहा, मेरे ससुर ने निजी कामों के लिए नहीं, बल्कि पार्टी की जरूरतों के लिए कर्ज लिया था। पार्टी ने सभी देनदारियों का भुगतान करने का वादा किया था, लेकिन अब वह अपने वादे से मुकर गई है। मेरे पति तनाव के कारण अस्पताल में हैं। मैं अधिक

देर तक प्रतीक्षा नहीं कर सकती।'' उन्होंने आगे कहा कि परिवार डीसीसी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने और मुख्यमंत्री को याचिका देने की योजना बना रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राजमोहन उन्नीथन ने कहा कि ''विजयन की मौत की पार्टी जांच अभी जारी है। उन्होंने कहा, जब यह पूरी हो जाएगी, तो पैसे का भुगतान कर दिया जाएगा। जब जांच लंबित है, तो पार्टी भुगतान कैसे कर सकती है?''

इस बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मुल्लांकोली पंचायत के पार्षद जोस नेल्लेदम की हालिया आत्महत्या ने पार्टी को और शर्मसार कर दिया है। नेल्लेदम शुक्रवार को अपने घर के पास एक तालाब में मृत पाए गए थे। नेल्लेदम ने कथित तौर पर जहर खा लिया था और अपनी कलाई काट ली थी। नेल्लेदम की मृत्यु के बाद एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में नेल्लेदम ने कथित तौर पर आरोप लगाया है कि साथी नेता कनड्डुमालयिल थंकचन की गिरफ्तारी के सिलसिले में उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। थंकचन को उनके घर से कथित तौर पर शराब और विस्फोटक बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 13 दिन बाद जब पता चला कि यह प्रतिबंधित सामान किसी अन्य पार्टी कार्यकर्ता ने रखा था, तो उन्हें रिहा कर दिया गया।

नेल्लेदम ने स्वीकार किया कि उसने पुलिस को प्रतिबंधि सामान के बारे में सूचना दी थी, लेकिन उसने जोर देकर कहा कि उसे झूठे तौर पर साजिशकर्ता बताया गया है। उसने वीडियो में कहा, उन्होंने मेरा खून देखने और मेरे बच्चों का भविष्य बर्बाद करने के लिए आरोप लगाए। मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायनाड डीसीसी अध्यक्ष एनडी अप्पाचन ने कहा कि चूंकि पुलिस को नेल्लेदम के घर से एक सुसाइड नोट मिला है, इसलिए उस पत्र की सामग्री जनता के सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे कुछ गड़बड़ी का शक है। पुलपल्ली पुलिस ने बिना कोई जांच किए थंकाचन को रिमांड पर ले लिया। हमें पुलिस की कार्रवाई में कुछ राजनीतिक मंशा होने का शक है।

इस बीच मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) वायनाड के आंतरिक मुद्दों को लेकर कांग्रेस के खिलाफ उतर आई है। मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने कहा कि केरल में कांग्रेस माफिया बन गई है।

उन्होंने कहा, हत्या, आत्महत्या के लिए उकसाना, खुलेआम हिंसक घटनाएं, गर्भपात – यही सब आज कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करता है। अब खबरें आ रही हैं कि वायनाड के दिवंगत पूर्व डीसीसी कोषाध्यक्ष एनएम विजयन की बहू ने भी आत्महत्या का प्रयास किया है। मंत्री ने अपने बयान में विजयन और नेल्लेदम की आत्महत्या का हवाला दिया।

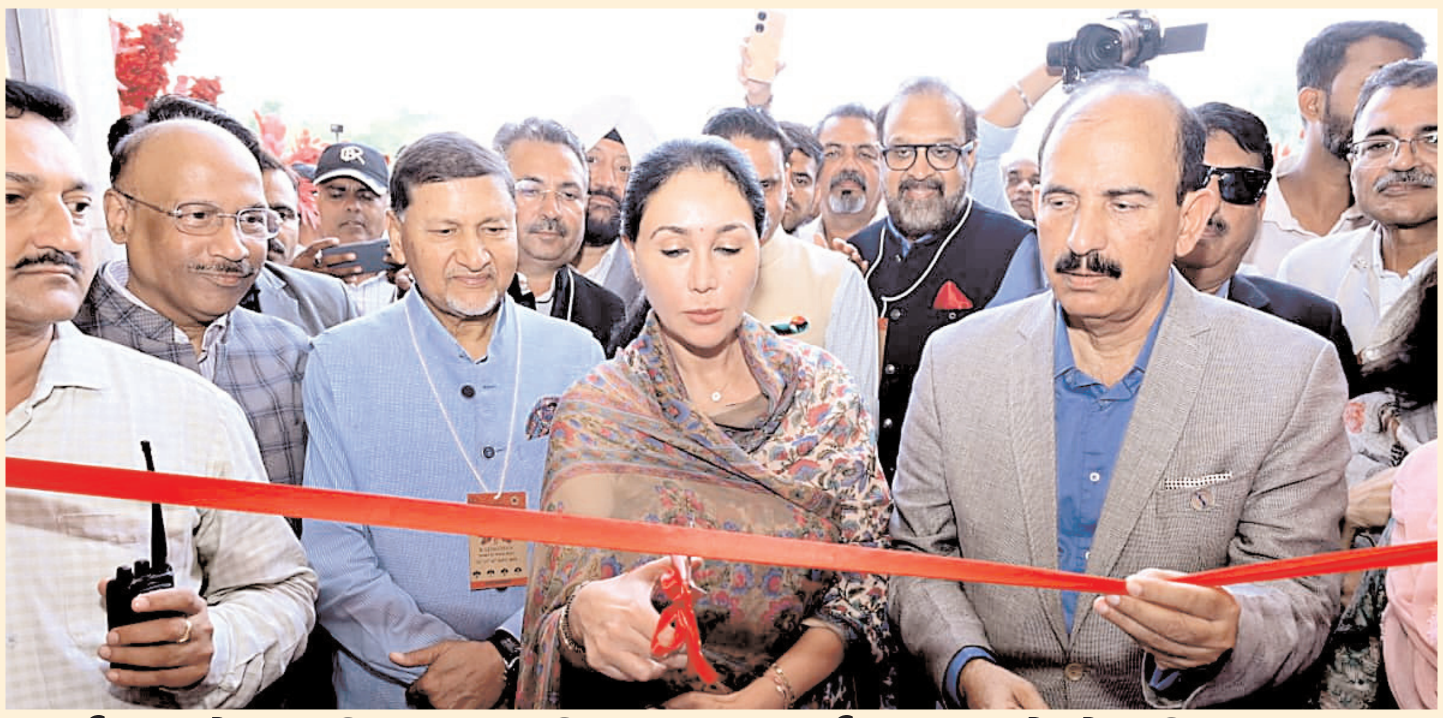

पर्यटन के सुविधागत विकास कार्य करवाने के लिए 5000 करोड़ रूपए का बजट किया जाएगा खर्च : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) 2025 के दूसरे दिन शनिवार को बी.एम. बिड़ला कन्वेंशन सेंटर में बी2बी मीटिंग्स और एक्सपो का शुभारम्भ किया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़ एवं ऋऋढ के प्रेसिडेंट कुलदीप सिंह चंदेला ने स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इस शानदार आयोजन के लिए पर्यटन विभाग ऋऋढ को हार्दिक बधाई दी।

दीया कुमारी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में अधिक से अधिक पर्यटक आएं, यही हमारा ध्येय है। राज्य सरकार पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विकास कर रही है। दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन सुविधागत विकास कार्यों के लिए 5000 करोड़ रूपए का बजट खर्च किया जायेगा। पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी उपाय भी किये जा रहे हैं। इसी क्रम में पर्यटक एप भी शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आज के दौर में मार्केटिंग का अत्यधिक महत्त्व है।राजस्थान की मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग राज्य सरकार एवं पर्यटन विभाग कर रहा है। मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर, कला एवं संस्कृति का संरक्षण एवं प्रचार प्रसार करके ही हम पर्यटन क्षेत्र में नये आयाम स्थापित कर सकते हैं। इस अवसर पर राजस्थान पर्यटन विभाग की आयुक्त रुक्मणि रियाड़, एफएचटीआर प्रेसिडेंट कुलदीप सिंह चंदेला, एफएचटीआर महासचिव सीए वीरेंद्र एस. शेखावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र एस. शाहपुरा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राजस्थान में मातृ मृत्यु दर अब राष्ट्रीय औसत से कम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का निरन्तर उन्नयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता के चलते प्रदेश में गांव-ढाणी तक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया गया है, ताकि प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्युदर को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने कई नवाचार कर एवं मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकारात्मक परिणाम हासिल किए हैं। हाल ही में जारी एसआरएस सर्वे के अनुसार प्रदेश में मातृ मृत्यु दर घटकर 86 प्रति एक लाख जीवित जन्म दर्ज की गई है जो कि राष्ट्रीय औसत से कम है।

मातृ स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से एएनसी रजिस्ट्रेशन के साथ ही कम से कम 4 बार गर्भवती महिला की जांच की जाती है। उन्हें आईएफए कैल्शियम एवं आयरन की गोलियां देने के साथ ही डीटी के दो टीके लगाए जाते हैं। हर माह की 9, 18 एवं 27 तारीख को प्रत्येक पीएचसी स्तर से लेकर उच्चतर संस्थानों तक गर्भवती की विशेष जांच व्यवस्था नियमित रूप से उपलब्ध है।

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गर्भवती माता को निशुल्क दवा, जांच, रेफरल व प्रसव के समय भर्ती के दौरान कलेवा एवं आवश्यकता होने पर निःशुल्क रक्त प्रदान करने की सेवाएं उपलब्ध है। प्रसव कक्षों की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु दक्षता कार्यक्रम संचालित है। प्रत्येक प्रसव के समय संबल प्रदान करने की दृष्टि से प्रसव सखी अर्थात् प्रसूता की परिजन महिला को साथ रखा जाता है। प्रत्येक प्रसूता को जेएसवाई एवं लाडो प्रोत्साहन योजना का लाभ सीधा बैंक खातों में दिया जा रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को निरंतर कम करने के लिए प्रदेश में गांव-कस्बों तक मातृ एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया है। विभाग का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा प्रसव संस्थागत हो, ताकि जच्चा-बच्चा के जीवन को कोई खतरा नहीं रहे। इस दिशा में प्रदेश में कुल 2065 डिलीवरी प्वाइंट संचालित हैं, जहां संस्थागत प्रसव संपादित होते हैं। राज्य में जिला स्तर व उप जिला स्तर पर कुल 42 एमसीएच इकाइयां स्वीकृत हैं। अधिक भार वाले चिकित्सा संस्थानों में 114 जेएसवाई वार्ड संचालित हैं। प्रदेश में स्वीकृत 160 एफआरयू केन्द्रों में से 106 पर सिजेरियन विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध है। शेष केन्द्रों पर भी सामान्य प्रसव सेवाएं दी जा रही हैं। मातृ एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को देखते हुए लक्ष्य कार्यक्रम के तहत 95 लेबर रूम एवं 44 ओटी भारत सरकार के स्तर से सर्टिफाई किए जा चुके हैं। इन सभी प्रयासों के चलते प्रदेश में संस्थागत प्रसव लगातार बढ़ता जा रहा है। एनएफएचएस-5 सर्वे के अनुसार राज्य में संस्थागत प्रसव 94.9 प्रतिशत है जो अन्य राज्यों की तुलना में काफी बेहतर है।

जन-जन के 'प्रगति पथ' साबित हो रहे गांवों के 'अटल पथ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गांवों के विकास की महत्ता को रेखांकित करते हुए प्रदेश में अटल पथों के निर्माण की शुरुआत की है। ये अटल प्रगति पथ गांवों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का उत्पाद और कच्चा माल बड़े शहरों और कस्बों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए समृद्धि और प्रगति के द्वार खुलेंगे बल्कि अस्पताल, स्कूल-कॉलेज, बैंक आदि तक आसान पहुंच सुनिश्चित होने से उनके जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा के अनुसार सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा गांवों में शहरी क्षेत्रों के समकक्ष सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से गांवों में सीमेन्ट कंक्रीट के अटल प्रगति पथ बनाये जाने की योजना प्रारम्भ की गई है। प्रथम चरण में 10 हजार से अधिक आबादी के गांवों में व द्वितीय चरण में 5 हजार से 10 हजार तक की आबादी वाले गांवों में सीमेन्ट क्रंक्रीट के अटल प्रगति पथ का निर्माण चरणबद्ध रूप से करवाये जाने की घोषणा की गई है।

प्रत्येक ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में अधिकतम आबादी के 1-1 गांव में अटल प्रगति बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए 249 गांवों में अटल प्रगति पथ निर्माण किये जाने की स्वीकृति जारी की गई है एवं 151 अटल प्रगति पथ के कार्य प्रारम्भ कर दिये गये हैं। इसी प्रकार, अब तक 10 हजार से अधिक आबादी के गांवों में 52 अटल प्रगति पथ की स्वीकृति जारी कर कार्य करवाए जा रहे हैं। इनमें से 16 अटल प्रगति पथों का कार्य पूरा भी कर लिया गया है।

अटल प्रगति पथ के रूप में 2 करोड़ रुपए तक की लागत से गांव की 1 से 3 किलोमीटर तक लम्बी एक मुख्य सड़क को विकसित किया जाता है। 2 करोड रुपए से ऊपर के कार्य मनरेगा, सांसद एवं विधायक कोष अथवा अन्य योजनाओं के माध्यम से करवाये जा सकते हैं। सीमेंट कंक्रीट के इन अटल प्रगति पथ की चैड़ाई यथासम्भव 7 मीटर रखी जाती है एवं दोनों तरफ नाली बनाई जाती है। नाली एवं सीमेंट कंक्रीट सड़क के बीच खाली जगह पर इन्टरलॉकिंग ब्लॉक लगाये जाते हैं। जरूरत के हिसाब से स्ट्रीट लाइट भी लगवाई जा सकती है, जिसका बिजली खर्च एवं रख-रखाव ग्राम पंचायत के स्तर पर किया जाता है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत गांवों का देश है, और यदि गांवों का कायाकल्प किया जाए तो पूरे राष्ट्र का विकास संभव है। ग्राम विकास की इस महती सोच के साथ बनाए जा रहे ये अटल पथ निश्चित तौर पर विकसित राजस्थान बनाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि साबित होंगे।

रेल में बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए 544 यात्री, 1.83 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने टिकट जांच अभियान के दौरान ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करते हुए 544 यात्रियों को पकड़ा और उनसे 1.83 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि शुक्रवार को सघन टिकट जांच अभियान चलाकर बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों और अनाधिकृत श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों व वेंडर के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के तहत जोधपुर-मकराना, जयपुर-मकराना, जोधपुर-मेड़ता रोड, फुलेरा-अजमेर, फुलेरा-रींगस, रींगस-जयपुर, नागौर-नोखा-देशनोक रेल खंडों के मध्य संचालित होने वाली प्रमुख 24 रेलगाड़ियों में यह कार्रवाई की गई।

इस कार्रवाई के दौरान 544 यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे 1.83 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही छह अनाधिकृत वेंडर को पकड़कर रेलवे सुरक्षा बल को नियमानुसार कार्रवाई के लिए सुपुर्द किया गया।

हर गांव तक यह बात पहुंच गई कि वोट चोरी से जीते जा रहे है चुनाव : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस के 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान का जिक्र करते हुए कहा है कि यह बात हर गांव तक पहुंच गई कि वोटों की चोरी हो रही है इसलिए चुनाव जीते जा रहे हैं जो लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक है। गहलोत शनिवार को यहां पीसीसी मुख्यालय पर प्रदेश कांग्रेस की इस अभियान पर आयोजित बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा लोकतंत्र में सबसे पहला काम होता है चुनाव आयोग का कि वह निष्पक्ष चुनाव कराए ,कोई पार्टी जीते, कोई उम्मीदवार जीते अलग बात है, फिर जिस प्रकार का व्यवहार किया गया ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक प्रश्न उठाया कि हमें मशीन रीडेबल नहीं दे रहे हो, वर्ना हम फटाफट इस काम को कर सकते थे, हमें मजबूरी में छह महीने लगे, छह महीने में नतीजे पर पहुंचे हम लोग, लगभग एक लाख फर्जी वोट निकले अगर चुनाव आयोग उस वक्त जांच करवा देता तो उसमें कितने वोट कहां गड़बड़ हुई कहां नहीं हुई स्पष्ट हो जाता।

उन्होंने कहा कि आजादी के वक्त पाकिस्तान बना था तब कितने लोग हिन्दुस्तान आए होंगे कितने लोग पाकिस्तान गए होंगे तब भी इलेक्शन कमीशन ने चुनाव करवा दिए जबकि शिक्षा नहीं थी उस वक्त में, लोग चिह्न को नहीं समझते और पढ़ नहीं सकते थे, उससे लगाकर आज तक का इतिहास है, चुनाव लगातार हो रहे हैं, चुनाव आयोग के जो चेयरमैन और उनके जो मेंबर हैं उनकी गलतियों से उनके व्यवहार से यह स्थिति बनी है देश के अंदर और यह इतना गंभीर बिन्दु बन गया। गहलोत ने कहा कि पहले शक था इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर देशवासियों को क्योंकि अब अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी जापान सब जगह वोट बैलेट से होता है, पहले वहां भी मशीनें थी वो शक था ही पहले से ही, उच्चतम न्यायालय तक लोग गए तो कहा गया कि वीवीपेट लगा दो, यह चल रहा था अब यह जो नया सर्वे हुआ है। इधर चुनाव के दो महीने पहले एसआईआर करवा रहे हो , अगर यह डेढ़ साल पहले होता, यह करना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि इसलिए राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रदेश कांग्रेस कमेटियों से कहा है कि तमाम लोगों से बैठक करके सबसे हस्ताक्षर करवाओ कि वोट की चोरी किस प्रकार हो रही है और अगर वोट की चोरी होगी तो निष्पक्ष चुनाव कभी हो नहीं पाएंगे, निष्पक्ष चुनाव नहीं होंगे तो लोकतंत्र को खतरा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी की जिम्मेदारी है कि अपने वोट के अधिकार को बचाने के लिए इस अभियान में हिस्सेदारी करे और वोट चोरी जो एक अभियान चल रहा है उसे कामयाब करे।

तालाब में दो बच्चे डूबे

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में शनिवार को दो बच्चे तालाब में डूब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना निर्झरणा गांव में उस समय हुई, जब तीन बच्चे अपने घर के पास तालाब में नहाने गए थे और गलती से वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगने। पुलिस के मुताबिक, चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उनमें से एक को बचाने में कामयाब रहे हालांकि दो बच्चों को नहीं बचाया जा सका।

झांपदा थाना प्रभारी सुनील टांक ने बताया कि सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया, ग्रामीणों की मदद से बच्चों के शव तालाब से निकाले गए और लालसोट अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान फौजी (नौ) और सुनील (सात) के रूप में हुई है।

भूपेंद्र यादव ने भिवाड़ी में किया पर्यावरण एवं स्वच्छता संबंधित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने शनिवार को राजस्थान में भिवाड़ी के सेंट्रल पार्क एवं बाबा मोहन राम नगर वन में शहरवासियों से संवाद करके उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर यादव ने भिवाड़ी को स्वच्छ, हरित एवं विकसित शहर बनाने के लिए आमजन से सहयोग का विशेष आह्वान किया। सुबह उन्होंने सेंट्रल पार्क में नागरिकों से मिलकर उनके विचार साझा किए और स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। इसके बाद उन्होंने बाबा मोहन राम नगर वन का निरीक्षण किया जो 102 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया गया है। इस नगर वन में अब तक एक लाख पौधे लगाए जा चुके हैं, जो क्षेत्र के पर्यावरणीय संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। नगर वन निरीक्षण के पश्चात् यादव ने भिवाड़ी में लंबे समय से चल रही जलभराव समस्या के स्थायी समाधान के लिए सारेखुर्द बांध का भी निरीक्षण किया।

दीया कुमारी ने राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट-2025 प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट-2025 प्रदर्शनी का शनिवार को यहां उद्घाटन किया।

इस अवसर पर श्रीमती दीया कुमारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और इस आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि ऐसे कार्यकर्मो से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

विधानसभा में जासूसी के मामले की राज्यपाल को कराई जानी चाहिए जांच : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विपक्ष द्वारा विधानसभा में अतिरिक्त कैमरे लगाकर विधायकों की जासूसी करने के उठाये गये मामले को गंभीर बताते हुए कहा है कि राज्यपाल को इस मामले में जांच कराई जानी चाहिए। गहलोत ने कांग्रेस के वोट चोरी गद्दी छोड़ अभियान पर प्रदेश कांग्रेस की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह जासूसी का मामला बहुत गंभीर है और इस मामले को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली राज्यपाल के पास लेकर गए हैं और अब राज्यपाल को इस मामले की जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा में दो कैमरा अतिरिक्त लगा दिए गए और उसका जो कंट्रोल सिस्टम है वो अध्यक्ष ने अपने चैंबर में रखा है, खाली वो खुद देख सकते हैं या उनका प्राइवेट सेक्रेटरी देख सकता है। यह तो बहुत बड़ा क्राइम किया गया है। इसकी तो जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा, लोकसभा और विधानसभा में कैमरे लगते हैं और पूरा देश देखता है जब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से या जब बहस होती है यूट्यूब के माध्यम से सब देख सकते हैं कौन क्या बोल रहा है पर अलग कैमरा लगा दो विपक्ष की तरफ, क्या बात कर रहे हैं वो आपस के अंदर, क्या नहीं कर रहे हैं और पूरा अध्यक्ष के पास में खबर पहुंचती जाए।

डोटासरा वाला मामला यही तो था, सदन स्थगित के समय में आपस में जो बातचीत होती और किसी भी दल का सदस्य हो कोई जुमला बोल देने पर उसे लेकर जो हाउस में प्रोसेसिंग में बोला नहीं गया है तब भी ऐसे कमेंट करवा दो गोविंद सिंह डोटासरा पर कि यह तो एमएलए बनने लायक ही नहीं है और बहस करवा दी गई। इस पर सदन में कोई कह रहा है पांच साल के लिए निकाल दो, कोई कह रहा है चार साल के लिए निकाल दो तो यह जो सदन में माहौल बनाया गया वह उचित नहीं है।

अगले सप्ताह विदा लेगा मानसून

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के अगले सप्ताह राजस्थान से विदा लेने का पूर्वानुमान है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों से मानसून के विदा होने के लिए परिस्थितियां 15 सितंबर से अनुकूल है। विभाग ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। वहीं पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में भी अगले दो से तीन दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने और 16 सितंबर से दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की-मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि शनिवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान राजस्थान के धौलपुर जिले में हल्की बारिश दर्ज कि गयी जबकि अन्य भागों में मौसम शुष्क रहा। वहीं सेपऊ (धौलपुर) में एक मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई।

पुलिस अधिकारी पर कांस्टेबल को थप्पड़ मारने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) द्वारा ड्यूटी के दौरान एक हेड कांस्टेबल को कथित तौर पर थप्पड़ मारने के मामले की दो सांसदों ने शनिवार को निष्पक्ष जांच की मांग की। हेड कांस्टेबल रामूराम मेघवाल ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार रात धनाऊ इलाके में एक मामले की जांच करने के बाद लौटते समय चोहटन के डीएसपी जीवनलाल खत्री से उनका विवाद हुआ, जिसके बाद अधिकारी ने कथित तौर पर उन्हें थप्पड़ मार दिया। हेड कांस्टेबल मेघवाल, दलित समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) प्रमुख व नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल और बाड़मेर से कांग्रेस सांसद उम्मेदा राम बेनीवाल ने इस घटना की निंदा की। पुलिस अधिकारी के चालक के रूप में कार्यरत मेघवाल ने दावा किया कि वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के बावजूद मामले को दबा दिया गया। मेघवाल ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक ऑडियो क्लिप में आरोप लगाया, जब मैंने गालीगलौज करने का विरोध किया, तो डीएसपी ने गाड़ी रोककर मुझे थप्पड़ मारा। बाद में वरिष्ठ अधिकारियों ने मुझे समझौते के लिए राजी किया। मुझे विभाग में अलग-थलग किया जा रहा है और मैं ऐसे माहौल में काम नहीं कर सकता।'' वहीं डीएसपी खत्री ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि कांस्टेबल लापरवाही से गाड़ी चला रहा था।

खत्री ने कहा, मैंने गाड़ी रुकवाई और दूसरी गाड़ी का इंतजाम किया। वरिष्ठ अधिकारियों के सामने मामला सुलझा लिया गया। अब वह (रामूराम मेघवाल) बाहरी प्रभाव में आकर झूठे आरोप लगा रहे हैं। जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने मामले की जानकारी मिलने की पुष्टि की और बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया है।

बेनीवाल ने कहा कि यह मामला पुलिस के आचरण पर गंभीर चिंताएं पैदा करता है। उन्होंने कहा, पुलिस के एक अधिकारी द्वारा एक कर्मचारी के साथ ऐसा बर्ताव करना न केवल निंदनीय है बल्कि सरकार की नीतियों पर भी सवालिया निशान है।

मैं बिना किसी भेदभाव के उच्च-स्तरीय जांच और न्यायोचित कार्रवाई की अपील करता हूं। कांग्रेस सांसद ने भी घटना की निंदा की और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने तथा मेघवाल के लिए न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। पुलिस अधिकारियों ने इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर में 8,500 करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/चूड़ाचांदपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद राज्य में अपनी पहली यात्रा के दौरान 8,500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कुकी समुदाय के गढ़ चूड़ाचांदपुर से मोदी ने 7,300 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें 3,647 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली मणिपुर की शहरी सड़कें, जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार पहल और 550 करोड़ रुपए की लागत वाली मणिपुर इन्फोटेक डेवलपमेंट (एमआईएनडी) परियोजना शामिल हैं। उन्होंने 142 करोड़ रुपए की लागत से कामकाजी महिलाओं के लिए नौ छात्रावासों और 105 करोड़ रुपए की लागत से विकसित होने वाली सुपर-स्पेशलिटी एवं स्वास्थ्य सेवा सुविधा की भी आधारशिला रखी। उन्होंने पोलो ग्राउंड और उसके आसपास 30 करोड़ रुपए की लागत से बुनियादी ढांचे के विकास और 134 करोड़ रुपए की लागत से सभी 16 जिलों में 120 स्कूलों के उन्नयन की आधारशिला रखी।

जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, उनमें ग्रामीण संपर्क, शिक्षा और पर्यटन से संबंधित कुल 102 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न परियोजनाएं भी शामिल थीं। इंफाल के खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 36 करोड़ रुपए की लागत से बहुद्देशीय इनडोर स्टेडियम का निर्माण और 502 करोड़ रुपए की लागत से टेंग्नौपाल खंड में एनएच 102ए का उन्नयन भी शामिल है। मेइती बहुल इंफाल में उन्होंने लगभग 1,200 करोड़ रुपए की 17 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इंफाल के कांगला किला परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम मई 2023 में मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद राज्य की उनकी पहली यात्रा का हिस्सा था। प्रधानमंत्री ने मंत्रिपुखरी में 101 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नये मणिपुर पुलिस मुख्यालय और 538 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए सिविल सचिवालय का उद्घाटन किया। उन्होंने नई दिल्ली और कोलकाता में नवनिर्मित मणिपुर भवन तथा राज्य की राजधानी में इंफाल नदी के पश्चिमी मोर्चे के विकास चरण-2 व मॉल रोड चरण-2 का भी उद्घाटन किया। मोदी ने जिन अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उनमें चार जगहों पर 'इमा बाजार' (माताओं के लिए बाजार) की स्थापना, इंफाल वेस्ट जिले में लीशांग हिडेन सांस्कृतिक एवं विरासत पार्क का विकास, इंफाल वेस्ट, थौबल तथा काकचिंग जिलों में पांच सरकारी कॉलेज के बुनियादी ढांचे का विकास और नोनी में इरंग नदी पर इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग-37 को जोड़ने वाला चार लेन पुल शामिल है। प्रधानमंत्री ने चूड़ाचांदपुर जिले के सैकोट सीएचसी में स्टाफ क्वार्टर के साथ संस्थागत भवन का उद्घाटन किया।

अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई ने प्राकृतिक आपदाएं बढ़ा दी हैं: सीताराम

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर टी जी सीताराम ने देश-विदेश में आ रही प्राकृतिक आपदाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई और जलवायु उपेक्षा ने बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने एवं सूखा जैसी घटनाओं को और बढ़ा दिया है।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के 20वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए सीताराम ने कहा, ''अभियंता, नवप्रवर्तक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें संकल्प लेना होगा कि हम हरित ऊर्जा को अपनाएंगे, आपदा-रोधी बुनियादी ढांचा विकसित करेंगे, सतत प्रौद्योगिकियां लाएंगे और सबसे बढ़कर विकास एवं पारिस्थितिकी के बीच संतुलन स्थापित करेंगे।'' दीक्षांत समारोह में कुल 648 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। साथ ही 22 मेधावी विद्यार्थियों को पदक भी प्रदान किए गए। प्रोफेसर सीताराम ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की यात्रा अभूतपूर्व ढंग से आगे बढ़ रही है तथा चंद्रयान-3 की सफलता से लेकर सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल1 के प्रक्षेपण तक, भारत ने सिद्ध कर दिया है कि वह अनुयायी नहीं, बल्कि अग्रदूत है।

डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यूपीआई, आधार और 'डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर' जैसी पहल न केवल शासन और सेवाओं में क्रांति ला रही हैं, बल्कि वैश्विक मानदंड भी स्थापित कर रही हैं। उनका मानना है कि इसी दिशा में सेमीकंडक्टर क्रांति भारत के लिए पासा पलटने वाला साबित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की बदौलत पूर्वोत्तर में अब शांति बहाल हो रही : साहा

गांधीनगर/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को पूर्वोत्तर में शांति बहाली के प्रयास करने और विकास के युग की शुरुआत करने के लिए केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की सराहना की। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री साहा ने कहा कि मणिपुर में स्थिति सामान्य है और हालात बहुत अच्छे हैं, जबकि त्रिपुरा उग्रवाद-मुक्त राज्य बन गया है। साहा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के दौरे पर हैं। साहा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 22 सितंबर को त्रिपुरा का दौरा करेंगे, जहां वह त्रिपुरेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे तथा विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विवि में आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय फोरेंसिक ओडोन्टोलॉजी सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत करते हुए साहा ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी हमेशा पूर्वोत्तर में शांति और विकास चाहते हैं और उनका 'हीरा' (राजमार्ग, इंटरनेट, रेलवे और वायुमार्ग) मॉडल इस क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। पहले के प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर को लेकर गंभीर नहीं थे और उन्होंने हालात सुधारने की कोशिश नहीं की। हमारे प्रधानमंत्री ने 60 बार पूर्वोत्तर का दौरा किया।''

मोदी का पांच राज्यों का दौरा पूरे भारत में प्रगति को गति देगा : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार दौरा ''देश भर में प्रगति के पैमाने व गति का प्रमाण है''। इस दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री 71,850 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

माझी ने कहा कि यह दर्शाता है कि कैसे देश समावेशी विकास सुनिश्चित करते हुए विश्व में एक दिग्गज के रूप में उभर रहा है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का उनका आगामी दौरा देश भर में प्रगति के पैमाने व गति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास समावेशी विकसित भारत के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''ये पहल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देंगी, कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी, नागरिकों को सशक्त बनाएंगी और विकास के नए अवसर पैदा करेंगी।'' उन्होंने पोस्ट में कहा, बैराबी-सैरंग नई रेल लाइन के उद्घाटन के साथ मिजोरम पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ा। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए अंकित होगी और राष्ट्रीय एकता व अखंडता का प्रतीक होगी। माझी ने प्रधानमंत्री की पहल की सराहना करते हुए कहा, ऐसे प्रत्येक कदम के साथ भारत मजबूत, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनने की अपनी मंजिल के करीब पहुंच रहा है। हम हर क्षेत्र और हर नागरिक के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करते हुए एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहे हैं।

मणिपुर : प्रधानमंत्री मोदी कुकी और मेइती समुदाय के विस्थापित लोगों से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/चूड़ाचांदपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर में संघर्षरत कुकी और मेइती समुदायों के जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों से शनिवार को मुलाकात की।

अधिकारियों ने बताया कि मोदी ने राजधानी इंफाल के कांगला किला परिसर और चूड़ाचांदपुर के पीस ग्राउंड में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) की चिंताएं सुनीं और उन्हें राज्य में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने में केंद्र सरकार से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

मोदी ने चूड़ाचांदपुर में कहा, कुछ समय पहले, मैंने एक राहत शिविर में हिंसा प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उनसे मिलने के बाद, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास की एक नई सुबह का उदय हो रहा है। इंफाल में राज भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चूड़ाचांदपुर और इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) से बातचीत की और उन्हें मणिपुर में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के अटूट समर्थन एवं प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण 60,000 से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें से लगभग 40,000 कुकी-जो समुदाय से और करीब 20,000 मेइती समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

कहां है आपका 'राजधर्म' : खरगे ने प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे पर कहा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मणिपुर दौरे को लेकर शनिवार को दावा किया कि हिंसा के 864 दिन बाद ''सिर्फ तीन घंटे'' के लिए जाना एक मजाक और राज्य की पीड़ित जनता का घोर अपमान है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर संवैधानिक उत्तरदायित्व का परित्याग करने का भी आरोप लगाया और तंज कसते हुए यह सवाल किया कि ''आपका राजधर्म कहां है?'' प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को मणिपुर के दौरे पर हैं, जहां वह चूड़ाचांदपुर तथा इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। वर्ष 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद मोदी का यह पहला मणिपुर दौरा होगा। प्रधानमंत्री 8,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का भी अनावरण करेंगे।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, मणिपुर में आपका तीन घंटे का दौरा करुणा नहीं है, बल्कि यह प्रहसन, प्रतीकात्मकता और पीड़ित लोगों का घोर अपमान है। आज इंफाल और चूड़ाचांदपुर में आपका तथाकथित रोड शो, राहत शिविरों में लोगों की चीखें सुनने से कायरतापूर्ण तरीके से मुंह फेरने के अलावा कुछ और नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हिंसा के 864 दिन हो गए, 300 लोगों की जान गई, 67,000 लोग विस्थापित हुए और 1,500 से अधिक लोग घायल हुए।'' खरगे ने कहा, ''आपने तब से 46 विदेश यात्राएं कीं, लेकिन अपने ही नागरिकों के साथ सहानुभूति के दो शब्द साझा करने के लिए एक भी यात्रा नहीं की। आपकी मणिपुर की आखिरी यात्रा जनवरी, 2022 में हुई थी और वह भी चुनाव के लिए थी।''

प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान करने वाले विपक्ष को सबक सिखाएगी बिहार की जनता : जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां का बार-बार अपमान करना कांग्रेस की 'घृणित मानसिकता' को दर्शाता है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी राजनीतिक पार्टियों को जनता से करारा जवाब मिलेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा पटना में एक समारोह को संबोधित करते हुए की विपक्ष को 'गैर-जिम्मेदार' और 'सत्ता का भूखा' करार दिया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों में 'असंगतता' का आरोप लगाया। नड्डा ने पिछले महीने 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में हुई घटना और विपक्षी दल द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक एआई-जनरेटेड वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि मोदी की दिवंगत मां को किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा अपशब्द कहे गए। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस का नया वीडियो इस बात की पुष्टि करता है कि उनकी मानसिकता कितनी गंदी है।

नड्डा ने कहा, विपक्ष को जनता से करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जताने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की और कहा कि महाराष्ट्र के बारे में उनके आरोप कभी भी एक जैसे नहीं रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कभी वह (राहुल गांधी) आरोप लगाते हैं कि पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहले 70 लाख मतदाता जोड़े गए थे, तो कभी वह यह संख्या एक करोड़ बताते हैं।

नड्डा ने जोर देकर कहा कि वह 2005 तक राज्य में व्याप्त अराजकता के 'प्रत्यक्षदर्शी' रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में आया और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने तो स्थिति सुधारी।

अरुणाचल ने किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए नई कृषि नीति जारी की

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चोवना मीन ने शनिवार को राज्य की कृषि और बागवानी नीति (2025-2035) का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य राज्य में कृषि रूपांतरण को गति देना और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करना है।

उपमुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, ''अपनी नई कृषि और बागवानी नीति के साथ, हम किसानों को सशक्त बना रहे हैं, उत्पादन बढ़ा रहे हैं और अरुणाचल को सतत विकास में अग्रणी बना रहे हैं।'' मीन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अरुणाचल भारत का अग्रणी जैविक कीवी उत्पादक राज्य बनकर उभरा है और संतरे और इलायची की खेती में इसका प्रमुख योगदान है। उन्होंने कहा कि राज्य ने रोइंग और रुक्सिन में पाम तेल मिलों की स्थापना की है।

मीन ने कहा, ''हम अपनी कृषि अर्थव्यवस्था में बदलाव लाने और अरुणाचल प्रदेश के हर किसान तक समृद्धि पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में सालाना 5.2 लाख टन खाद्यान्न का उत्पादन होता है।

नाविकों के पारंपरिक व्यवसाय को दबंगों को सौंपा जा रहा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर आरोप लगाया कि नाविकों (मछुआरों) के साथ अन्याय हो रहा है और उनके पारम्परिक व्यवसाय को दबंगों को सौंपा जा रहा है।

यादव से आज प्रयागराज से मिलने आये नाविक मजदूर कल्याण समिति (रजि) के एक प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन देकर उनसे मछली पकड़ने के लिए नदियों की नीलामी को तत्काल प्रभाव से निरस्त किये जाने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने की अपील की।

सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार नाविक प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए यादव ने कहा, नाविक बंधुओं की चिंता में मुख्य बिंदु पर्यावरण की सुरक्षा है, उसकी उपेक्षा का परिणाम उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश में आई आपदाओं से दिखाई दिया है।

उन्होंने कहा, नाविक अपने अधिकारों के सम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके साथ अन्याय हो रहा है और उनके पारम्परिक व्यवसाय को दबंगों को सौंपा जा रहा है।

यादव ने कहा कि सरकार में आने पर समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना करायेगी, तभी सभी को समानुपातिक आधार पर हक और सम्मान मिलेगा।

उन्होंने कहा, सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। पीडीए में नाविक वर्ग भी है। पीडीए 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी सरकार बनायेगा।

यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के 2027 के घोषणा-पत्र में नाविकों को नई नावें देने का वादा शामिल रहेगा तथा निषाद राज गुह्य की प्रतिमा गोमती रिवरफ्रंट पर स्थापित की जाएगी जिसमें नाव की पतवार सोने की होगी।

नाविकों द्वारा सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि नदियों में मत्स्य आखेट करना मछुआरों का जन्मसिद्ध अधिकार है। उनके इस अधिकार को छीनने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 2019 में जारी शासनादेश में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बहने वाली गंगा, यमुना, टोंस, बेलन इत्यादि नदियों में मछली पकड़ने के लिए कई खंड बनाकर उसकी नीलामी का प्रावधान किया गया है, यह सरासर गलत है।

यादव से मिलकर नाविक संगठन के प्रतिनिधियों ने शासनादेश 2019 के निरस्तीकरण में अपने प्रभाव का प्रयोग करने का आग्रह किया है।

सपा प्रमुख ने कहा कि पीडीए की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हराया है तथा लोकतंत्र में इसी वोट से भाजपा सरकार को हटाना है।

भारत-पाक मैच पर गंभीर ने अपने रूख से अलग क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने का संदेश दिया

दुबई/भाषा। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के एशिया कप मैच के बहिष्कार की मांग के बीच भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण कोच रेयान टेन डोएशे ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की 'क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने' की सलाह का समर्थन करते हुए कहा कि यह काफी भावनात्मक मुद्दा है और टीम को बीसीसीआई और भारत सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है। कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सभी खेल संबंध खत्म करने की मांग उठ रही है। ऐसे मौके पर आमतौर पर टीम के मुख्य कोच संवाददाता सम्मेलन में आते हैं, लेकिन इस बार गौतम गंभीर के बजाय जूनियर कोच डोएशे को भेजा गया, क्योंकि बोर्ड को यह डर था कि गंभीर से इस मुद्दे पर उनके पुराने रुख के बारे में सवाल पूछे जा सकते हैं। नीदरलैंड के इस पूर्व क्रिकेटर डोएशे ने कहा, ''यह एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। खिलाड़ी जनता की भावनाओं को महसूस करते हैं। हमने टीम की बैठकों में इस पर चर्चा की है। खिलाड़ी यहां क्रिकेट खेलने आए हैं और हम सरकार के निर्देशों का पालन कर रहे हैं। हमारी सोच खेल को राजनीति से अलग रखने की है। मैं भावनाओं को समझता हूं लेकिन हम बीसीसीआई व सरकार के निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

'खेल में सुधार से ऑस्ट्रेलिया को हराने का आत्मविश्वास आया है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला टीम की फिटनेस और क्षेत्ररक्षण में सुधार का हवाला देते हुए कहा कि उनकी टीम के पास बेहद मजबूत ऑस्ट्रेलिया को हराने की क्षमता है।

भारतीय टीम रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे शृंखला में भाग लेगी। भारतीय टीम इस महीने के आखिरी में शुरू होने वाले विश्व कप से पहले इस शृंखला से अपनी तैयारियों को परखना चाहेगी। हरमनप्रीत ने शनिवार को यहां कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने देश में बेहतर सेटअप के कारण दुनिया में दबदबा बनाए हुए है, लेकिन अब भारतीय टीम भी उसी तरह की क्रिकेट से उन्हें चुनौती देने की स्थिति में आ गई है। भारतीय कप्तान ने शुरुआती वनडे से पहले कहा, ''हम पिछले एक साल से कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हर दिन सुधार दिखा रहे हैं, लेकिन अगर हम ऑस्ट्रेलिया की बात करें, तो उनके पास लंबे समय से एक बहुत अच्छा सेटअप है और वे दमदार क्रिकेट खेलते रहे हैं।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''अब हम भी उस दौड़ में शामिल हो गए हैं। पिछले डेढ़ साल में भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए हर कोई सोच रहा है कि हम उन्हें हरा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''पहले हम इसके लिए कड़ी मेहनत करते थे लेकिन अब हमने कई क्षेत्रों में सुधार देखा है।, खासकर क्षेत्ररक्षण और फिटनेस में हमने काफी सुधार किया। हम इस पर काफी समय से मेहनत कर रहे थे, लेकिन अब हमें नतीजे भी मिलने शुरू हो गए हैं। इसमें कोई शक नहीं कि वे (ऑस्ट्रेलिया) बहुत हावी रहे हैं।'' हरमनप्रीत ने कहा कि उनका व्यक्तिगत रूप से मानना है कि उनकी टीम में सात बार की विश्व कप विजेता टीम को हराने की ताकत है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने दुनिया भर में बहुत अच्छा क्रिकेट खेला है और दबदबा भी बनाया है। एक कप्तान के तौर पर मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि हमारे पास एक अच्छी टीम है और हम उन्हें किसी भी दिन हरा सकते हैं।'' हरमनप्रीत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे शृंखला और विश्व कप के लिए टीम में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के न होने पर प्रतिका रावल पर भरोसा जताया।

सुविचार

अपने आप पर विश्वास करें, और आप कुछ भी कर सकते हैं।

ट्वीट

चीन में आयोजित होने जा रही एशियाई रग्बी फुटबॉल सीरीज़ 2025 के लिए सीनियर भारतीय महिला रग्बी टीम में चयनित होने पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र की प्रतिभाशाली बेटी भूमिका शुक्ला को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-दीया कुमारी

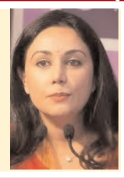

तीन दिवसीय इस सम्मेलन ने विद्वानों व विशेषज्ञों के विचारों से पांडुलिपियों और भारतीय ज्ञान-परंपरा के महत्व को रेखांकित किया और अनेक चुनौतियों के बीच आगे की दिशा तय की।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

जीवनधारा

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

वह दिन मेरी स्मृति में आज भी ऐसे अंकित है, जैसे कल की ही बात हो। मैं तब केवल बारह साल का अल्हड़, नासमझ बच्चा था, जब हमारे पैतृक घर में अनाज और संपत्ति का बँटवारा हो रहा था। घर में एक अजीब-सी चुप्पी पसरी थी, इतनी गहरी कि वह हर कोने, हर दरार से गूँज रही थी। यह चुप्पी केवल आवाज़ों का अभाव नहीं थी, बल्कि रिश्तों के टूटने और बिखरने की आहट थी।

मेरी बहनें, जो घर की रौनक हुआ करती थीं, पहले ही ब्याह कर अपने-अपने घरों को जा चुकी थीं, और सभी बड़े भाइयों की भी शादियाँ हो चुकी थीं। वे अपने-अपने जीवन में रम चुके थे, उनकी प्राथमिकताएँ बदल चुकी थीं। अब बारी थी, उस घर के आँगन में फैले रिश्तों के उन धागों को खींचकर अलग करने की, जिन्हें कभी किसी ने अलग करने की कल्पना भी नहीं की थी।

जब सवाल आया कि हमारी माँ, जो अब अपने बुढ़ापे की दहलीज़ पर खड़ी थीं, किसके साथ रहेंगी, तो एक पल का भी विलंब किए बिना, मैंने अपना छोटा सा, फिर भी दृढ़ हाथ आगे बढ़ा दिया। मैंने माँ को अपने पास रखने का फ़ैसला किया। उस छोटी-सी उम्र में, यह फ़ैसला शायद मेरे जीवन का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण फ़ैसला था। यह सिर्फ़ एक फ़ैसला नहीं था, बल्कि मेरे बाल मन की एक सहज प्रतिक्रिया थी, माँ के प्रति अगाध प्रेम और कर्तव्यपरायणता का इज़हार। उस दिन मैंने जाने-अनजाने में एक ऐसा मार्ग चुन लिया था, जो त्याग, संघर्ष और असीमित प्रेम से भरा था।

शुरुआत में, बड़े भैया, जिन्हें पैतृक अनाज के आधे हिस्से का अधिकार मिला था, ने कुछ दिनों के लिए मुझे और माँ को अपने पास रखने की कोशिश ज़रूर की। उनके शब्दों में शायद सामाजिक दबाव या दिखावे का पुट था। लेकिन उनकी पत्नी (मेरी भाभी) का व्यवहार जल्द ही बदल गया। उनकी आँखों में एक अजीब-सी कठोरता आ गई, जो उनके शब्दों में घुली कड़वाहट से भी ज़्यादा तीखी थी।

मुझे आज भी याद है, दोपहर का समय होता था, जब घर में पकवानों की सुगंध फैलती थी। वे अपने लिए तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवान बनातीं, दाल-चावल, सब्ज़ियाँ, रोटियाँ और मिठाईयाँ भीहोती। लेकिन माँ से कहतीं, अम्मा, आप बाबा घर से नेनुआ मिठाई ला दीजिए उसकी सब्जी बना देती हूं आप लोगों के लिए।यह बात सुनकर मेरे बाल मन को अंदर तक गहरा आघात पहुँचा।

यह सिर्फ़ नेनुआ की सब्ज़ी का सवाल नहीं था, बल्कि वह अपमान का एक कड़वा घूँट था, जिसे माँ चुपचाप पी रही थीं। मैंने देखा कि माँ की आँखों में एक गहरी उदासी तैरने लगी थी, जो धीरे-धीरे उनके पूरे अस्तित्व को निगलती जा रही थी। इस अपमानजनक व्यवहार से तंग आकर, माँ ने एक शाम मुझसे कहा, बेटा, हम अलग रहेंगे। उनका स्वर धीमा था, लेकिन उसमें एक दृढ़ता थी – अलग रहने का प्रण।

मेरे सगे दो भैया थे। जब माँ ने अलग रहने का फ़ैसला किया, तो उन्होंने माँ के लिए केवल पचास किलो ख़राब गुणवत्ता का धान और एक पुरानी, सस्ती सूती साड़ी दी। वह साड़ी इतनी निम्न गुणवत्ता की थी कि दो महीने में ही फट गई, जैसे हमारे रिश्तों की डोर, जो कभी थी ही नहीं। उस दिन मेरा मन बहुत दुखी हुआ। मुझे इस बात पर बहुत गुस्सा आया, लेकिन मैंने अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखा। मैंने भाइयों से साफ़ कह दिया, माँ के लिए आप लोग मुझे कुछ मत दो। मैं काफ़ी हूँ अपनी माँ की देख-भाल के लिए।

मेरे ये सीधे और स्पष्ट शब्द सुनकर, वे मन ही मन बहुत खुश हुए। शायद उन्हें लगा कि एक बोझ उनके सिर से उतर गया है, एक बड़ी ज़िम्मेदारी से वे बच गए हैं। लेकिन मुझे इस बात की असीमित तसल्ली थी कि अब माँ को किसी के दुर्व्यवहार का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्हें अब किसी के एहसान तले दबकर नहीं रहना पड़ेगा। हम दोनों, माँ और मैं, अब आज़ाद थे, एक नई ज़िंदगी की शुरुआत करने के लिए, भले ही वह ज़िंदगी कितनी भी मुश्किल भारी क्यों ना थी।

मुझे याद है, शुरुआत में मेरा खेत मझले भैया के जिम्मे ही था। अधिया तीसरी पर रखे थे मेरी खेत को। उसमें हमें काफी नुकसान होता था। वो काफी कम अनाज देते थे। बोलते थे कि कुछ हुआ ही नहीं तो हम कहाँ से दें ? सब तुमको ही दे देंगे तो हम क्या कटोरा लेकर मांगने जाएं ? जितना अनाज नहीं मिलता था उससे ज्यादा तो खाद बीज और पनवट के हिसाब में दिखा देते थे। और मैं यह कह भी नहीं पता था कि आप रहने दो। छोटे और बड़े का लिहाज जो बीच में आ जाता था। बहुत मुश्किल हुआ उनसे अपनी खेत छुड़ा पाना। हमारा एक पुश्तैनी मकान था। कच्चा था, लेकिन सुन्दर था। उसी में हम एक कोने में रहते थे। अनाज बेचकर जो थोड़ा-बहुत पैसा आता था, उसी से घर का और पढाई का खर्च निकालना पड़ता था। यह एक बेहद मुश्किल दौर था। कभी-कभी रात में मैं ये सोचता था कि कैसे होगा? कैसे हम यह सब संभाल पाएंगे? लेकिन माँ की आँखों में मैंने कभी निराशा नहीं देखी। उनकी आँखों में हमेशा एक विश्वास था, एक अदम्य शक्ति थी और मेरे मन में कुछ कर दिखाने की तीव्र लगन।

स्कूल से आने के बाद, मैं सीधे घर के छोटे-मोटे काम में लग जाता। माँ के द्वार उसीने गए धान को मिल में ले जाता और वहां से कुटाई के बाद चावल ले कर आता। फिर रात में दीए की टिमटिमाती रोशनी में पढ़ाई करता। इन सब मुश्किलों के बावजूद, मैंने अपनी पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। दिन-रात मैंने अथक मेहनत की।

मैंने मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की। यह मेरी और मेरी माँ की साझा जीत थी।एक जीत जिसने हमें बताया कि अगर इरादे मज़बूत हों, तो कोई भी मुश्किल बड़ी नहीं होती। इस सफलता ने मुझे काफ़ी हौसला दिया। माँ की आँखों में एक अजीब-सी चमक आ गई थी, उनके चेहरे पर गर्व का भाव स्पष्ट था। उन्होंने मुझे इंटरमीडिएट में विज्ञान विषय लेकर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मुझे भी लगा कि विज्ञान में मेरा भविष्य उज्ज्वल होगा, यह मुझे एक अच्छी नौकरी दिलाएगा और मैं माँ की बेहतर देखभाल कर पाऊँगा।

पढ़ाई के साथ-साथ, मुझे कविता, कहानी और निबंध लिखने का भी गहरा शौक था। यह शौक मेरे लिए सिर्फ़ मनोरंजन का साधन नहीं था, बल्कि एक तरह से मेरी भावनाओं का इज़हार था, एक सहाराथा। जब मेरी रचनाएँ छपती थीं, तो मुझे कुछ पैसे भी मिलते थे। ये पैसे हमारे छोटे से घर के लिए बहुत मायने रखते थे। कभी-कभी ये पैसे हमारी पढ़ाई की किताबों और स्टेशनरी में थोड़ी राहत देते थे, और कभी-कभी माँ के लिए कोई छोटी-मोटी चीज़ ख़रीदने में मदद करते थे। लेकिन इस शौक ने मेरी इंटर की पढ़ाई को थोड़ा नुक़सान भी पहुँचाया। लिखने में इतना वक़्त चला जाता था कि पढ़ाई के लिए कम समय बचता। रात-रात भर मैं कहानियाँ लिखता रहता, और सुबह स्कूल जाना होता। फिर भी, जैसे-तैसे मैंने इंटर की परीक्षा भी पास कर ली।

इसके बाद मैंने ग्रेजुएशन में भी विज्ञान विषयही लिया। एक साल तक पढ़ा, लेकिन मेरी चिंता बढ़ती जा रही थी। हमारे प्रोफ़ेसर केवल इंग्लिश में ही सारी पाठ्य सामग्री बोर्ड पर लिखते थे और उसी में व्याख्या करते थे। मुझे यह सोचकर डर लगता था कि क्या मैं परीक्षा में इसी तरह से अंग्रेज़ी में उत्तर दे पाऊँगा? मेरी ग्रामीण पृष्ठभूमि और शिक्षा का माध्यम हिंदी होने के कारण, अंग्रेज़ी में यह सब समझना और लिखना बहुत मुश्किल था। और बिना ट्यूशन के, मेरी विज्ञान और गणित की पढ़ाई धीरे-धीरे कमज़ोर पड़ने लगी थी।

मुख्य परीक्षा से पहले, मेरे मन में संशय के गहरे बादल छा गए। मैंने माँ से बात की, उन्हें अपनी दुविधा बताई। उन्होंने मुझे समझाया, बेटा, जो तुम्हें ठीक लगे, वही करो। पढ़ाई ऐसी करो, जिससे तुम्हें बोझ न लगे। उनकी बात सुनकर मुझे राहत मिली। आख़िरकार, मैंने विज्ञान छोड़कर स्नातक कला को चुन लिया। यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव था, जिसने मेरे भविष्य की दिशा ही बदल दी। कला संकाय में आकर मुझे थोड़ी राहत मिली। मुझे लगा जैसे मैं अपनी मिट्टी में वापस आ गया हूँ। मैंने स्नातक कला का पहला साल अच्छी तरह से निकाल लिया।ज़िंदगी थोड़ी स्थिर लग रही थी।

जब मैं स्नातक द्वितीय वर्ष में पढ़ रहा था, तो उसी दौरान अपने एक दोस्त के कहने पर मैंने एक हाई स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया था। इससे मुझे कुछ आय हो जाती थी, जो हमारी आर्थिक स्थिति में थोड़ी मदद करती थी। मेरे दोस्त ने मुझे कुछ ट्यूशन भी दिला दिए थे, ताकि मेरी आय कुछ और बढ़ जाए। यह अनुभव मुझे बहुत काम आया, इसने मुझे ज़िम्मेदारी और आत्मनिर्भरता सिखाई। अब मैं दूसरे साल का भी फ़ॉर्म भर दिया था।

इसी दौरान, एक दिन अच्छी ख़बर आई। मेरा चयन वायु सेना में हो गया था। यह मेरे जीवन का एक और सबसे बड़ा मोड़ था, एक ऐसा सपना जो अब सच होने जा रहा था। इस ख़बर से सबसे ज़्यादा ख़ुशी मेरी माँ को हुई। उनकी आँखों में एक अजीब-सी चमक थी, उनके चेहरे पर संतोष और गर्व का ऐसा भाव था, जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था। वे भावुक होकर बोलीं, सच में मेरा बेटा मुझे छोड़कर शहर में जाकर अकेले नौकरी करेगा? मैंने कहा, हाँ माँ, ऐसा ही होगा। उनकी आवाज़ में थोड़ी हिचक थी, लेकिन उनके चेहरे पर एक अदम्य खुशी थी, क्योंकि उन्हें पता था कि यह मेरी मेहनत का फल था।

मेरे इस चयन से बाकी परिवार के लोग, जिन्होंने हमें अलग कर दिया था, काफ़ी नाखुश लग रहे थे। शायद उन्हें लगा कि उनका अंदाज़ा ग़लत था, कि मैं कभी कुछ नहीं कर पाऊँगा। उनकी ईर्ष्या और अफ़सोस उनके चेहरों पर साफ़ झलक रहे थे।

जब मेरे स्कूल के साथी शिक्षकों को मेरी वायु सेना में नौकरी के बारे में पता चला, तो उन्हें भी बहुत खुशी हुई। उन्होंने मेरे स्कूल से एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। वह एक भावुक पल था। वे लोग मेरे घर भी आए थे, और उस दिन हमारे घर पर एक छोटा-सा भोज भी हुआ। यह सब देखकर माँ की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन मुझे वायु सेना में शामिल होने के लिए जाना था। मैंने रिपोर्ट किया और मेरी नौकरी शुरू हो गई। एक नया जीवन, एक नई शुरुआत।

जब छः महीने बीतने को आए और मुझे छुट्टी मिलने वाली थी, तो घर पर एक भैया यह कहकर माँ को समझा रहे थे कि अब हम दोनों भाई साथ में ही रहेंगे। मैं घर संभालूँगा और मेरा छोटा भाई नौकरी देखेगा। हमारी तरक्की होने लगेगी। यह सुनकर मुझे थोड़ी हैरानी हुई और चिंता भी। मुझे अपनी बड़ी दीदी की याद आई। मैंने उनसे बात की और उनसे पूछा कि मुझे क्या करना चाहिए। उन्होंने साफ़-साफ़, बिना किसी लाग-लपेट के कहा, तुम बिल्कुल अलग रहो, ये लोग तुम्हारी फ़ायदा उठाना चाहते हैं। तुम्हारा सारा पैसा धीरे-धीरे लेने लगेंगे और अंत में तुम्हें ही कोसेंगे, कहेंगे कि तुमने उनके लिए कियाही क्या है। और यह अहसान जताएँगे कि हमने तुम्हें पाला-पोसा।

दीदी मेरी मुश्किल घड़ी में, जब हमारा पुराना मिट्टी वाला घर बारिश में ढह गया था, तब उन्होंने दूसरों की परवाह न करते हुए बांस की सीढ़ी पर चढ़कर मिट्टी के गोले उठाती थी और घर की दीवार खड़ी करने में मदद की थी। उनकी बात में अनुभव की सच्चाई थी। मैंने उनकी बात मान ली और अलग रहने का फ़ैसला जारी रखा। मुझे पता था कि इस फैसले से मेरे भैया नाराज़ होंगे, लेकिन माँ की सुरक्षा और मेरे भविष्य के लिए यह ज़रूरी था।

काफ़ी दिन हो गए थे नौकरी करते हुए। जहाँ भी मेरी पोस्टिंग रहता, वहीं माँ को अपने साथ रखता। वे मेरी सबसे बड़ी सहारा थीं, मेरी शक्ति थीं। उनका सहारा मैं था, और मेरा सहारा वो थीं। वे मेरी हर खुशी में खुश होतीं और हर दुख में मेरे साथ खड़ी रहतीं। उनकी उपस्थिति मात्र से मुझे दुनिया का सबसे बड़ा सुकून मिलता था।

लेकिन समय ने एक और करवट ली। माँ की उम्र बढ़ती जा रही थी, वे लगभग 95 साल की हो चुकी थीं। बुढ़ापे के साथ उनकी याददाश्त कमज़ोर पड़ने लगी थी। कभी-कभी वे परेशान होकर बोलतीं, अब तो मैं गंगा नहा ली, अब घर पहुँचा दो मुझे। वे गाँव वापस जाना चाहती थीं। कभी- कभी अचानक झोला उठाकर अपने आप चल देतीं कि मुझे गाँव जाना है। एक बार तो पुलिस वालों ने उन्हें पकड़ लिया, क्योंकि वे अकेली कहीं जा रही थीं, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि कहाँ जाना है। वे सोचती थीं कि उनका गाँव बस कुछ देर चलने पर आ जाएगा।

ऐसी स्थिति में, मुझे माँ को घर भेजना ज़रूरी लगा। मैं उन्हें हर पल अपने साथ नहीं रख सकता था, और उनकी सुरक्षा एक बड़ी चिंता थी। मुझे डर था कि अगर वे कहीं गुम हो गईं, तो यह बहुत बड़ा पाप हो जाएगा, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो पाएगी। गाँव में लोग भी उनकी देखभाल कर देते थे, सभी उन्हें 'बुढ़िया दादी' कहकर बुलाते थे, और उनका ख़्याल रखते थे। मैंने सब कुछ व्यवस्था करके उन्हें गाँव में उनके पुराने घर पर छोड़ आया। मेरे दिल में एक अजीब-सा खालीपन और अपराधबोध था, लेकिन यह उस समय का सबसे कठिन और ज़रूरी फ़ैसला था।

लेकिन मेरी यह राहत ज़्यादा दिनों तक नहीं रही। मेरे आने पर पता चला कि मैंने उन्हें जिसके हवाले करके आया था, वे उन्हें भूखा रखते थे, उन्हें ठीक से देखभाल नहीं करते थे। यह सुनकर मेरा दिल टूट गया। मेरे अंदर का बेटा तड़प उठा। मैं दूर बैठा कुछ नहीं कर पा रहा था। फिर मेरा एक भतीजा, जो थोड़ा समझदार और दयालु था, उसने माँ की यह हालत देखी और उन्हें अपने घर ले गया। वहाँ उनकी थोड़ी बेहतर देखभाल होने लगी।

अगले साल जब मैं छुट्टी पर घर आया, तो मेरे भतीजे और उसकी माँ (मेरी भाभी) ने माँ को हिदायत दे रखी थी कि वे मुझसे मिलने की कोशिश ना करें। उन्होंने मुझे अपनी माँ से मिलने से रोक दिया था। जितने दिन मैं घर पर रहा, वे लोग मुझे मेरी माँ से मिलने नहीं दिए। यह मेरे लिए असहनीय था। मैं अपनी माँ को देख नहीं पा रहा था, उनसे बात नहीं कर पा रहा था, और यह जानते हुए भी कि वे मुझे याद कर रही होंगी। आख़िर मेरी छुट्टी ख़त्म हुई और मैं भारी मन से अपनी नौकरी पर वापस आ गया।

अगले दो-तीन महीने बाद, मुझे फ़ोन आया कि मेरी माँ चल बसीं। यह ख़बर मेरे लिए वज्रपात जैसी थी। मेरा शरीर सुन्न पड़ गया। लोग बता रहे थे कि वे मुझे बार-बार याद कर रही थीं, मेरा नाम पुकार रही थीं। मेरे भतीजे, जो मेरी माँ के पोते थे, उन्हें यह झूठ कहकर सताते थे कि दादी, आपका बेटा आ रहे हैं। और जब माँ को पता चलता कि लोग झूठ कह रहे थे, तो वो काफ़ी उदास हो जाती थीं। उनका दिल रोता था, और उन लड़कों को यह सब करने में मज़ा मिलता था। किसी को उनकी परवाह नहीं थी, उनकी भावनाओं से किसी को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता था। जब वे गुज़र गईं, तो मुझे फ़ोन आया। मुझे उन्हें आख़िरी बार भी देखने का मौक़ा नहीं मिला। उनकी अंतिम यात्रा में शामिल न हो पाने का अफ़सोस मुझे जीवन भर रहेगा।

उनकी मृत्यु के बाद, जीजाजी के सलाह पर, हम दो भाइयों के बीच ख़र्चों को बराबर-बराबर बाँटना था। और भतीजे को छूट दे दी गई थी कि आपको कुछ पैसे नहीं चुकाने हैं, जो आपसे बन पायेगा करना। वह भी खुश हो गया था। लोग दस कर्म पर उनकी सेजिया पर अपना-अपना वस्तु और रुपए चढ़ा रहे थे औरइस तरह सब कुछ अच्छे से निपट गया था।

लेकिन मैं इन सब आडंबरों से दूर, अपनी माँ को ढूंढ रहा था। उनकी यादें, उनका प्यार, उनका त्याग, और उनका संघर्ष हमेशा मेरे साथ रहेगा। मेरी माँ, जो अब शारीरिक रूप से मेरे साथ नहीं थीं, वे अब मेरी रूह और ख़ून में बस चुकी थीं, मेरे अस्तित्व का अभिन्न अंग बन चुकी थीं। वे एक ऐसी शक्ति थीं, जिन्होंने मुझे जीवन दिया था। जिन्होंने मुझे हर मुश्किल से लड़ना सिखाया, और जिन्होंने मुझे सिखाया कि सच्चा प्रेम और निस्वार्थ त्याग क्या होता है। उनकी सीख, उनका आशीर्वाद, और उनका अदृश्य साया हर पल मेरे साथ है, जो मुझे जीवन की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

मेरी भाषा

आज 14 सितम्बर अर्थात हिन्दी दिवस है। विभिन्न सरकारी कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा मनाया भी जा रहा है। वस्तुत: भाषा सभ्यता को संस्कारित करने वाली वीणा एवं संस्कृति को शब्द देनेवाली वाणी है। कूटनीति का एक सूत्र कहता है कि किसी भी राष्ट्र की सभ्यता और संस्कृति नष्ट करनी हो तो उसकी भाषा नष्ट कर दीजिए। इस सूत्र को भारत पर शासन करने वाले विदेशियों ने भली भाँति समझा और संस्कृत जैसी समृद्ध और संस्कृतिवाणी को हाशिए पर कर अपने-अपने इलाके की भाषाएँ लादने की कोशिश की।

असली मुद्दा स्वाधीनता के बाद का है। राष्ट्रभाषा को स्थान दिए बिना राष्ट्र के अस्तित्व और सांस्कृतिक अस्मिता को परिभाषित करने की प्रवृत्ति के परिणाम भी विस्फोटक रहे हैं। यूरोपीय भाषा समूह के प्रयोग से 'कॉन्वेंट एजुकेटेड' पीढ़ी, भारतीय भाषा समूह के अनेक अक्षरों का उच्चारण नहीं कर पाती। 'ड़', 'ण' अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। 'पूर्ण', पूर्न हो चला है, 'शर्म ' और 'श्रम' में एकाकार हो गया है। ह्रस्व और दीर्घ मात्राओं के अंतर का निरंतर होता क्षय, अर्थ का अनर्थ कर रहा है। 'लुटना' और 'लूटना' एक ही हो गये हैं। विदेशियों द्वारा की गई 'लूट' को 'लुटना' मानकर हम अपनी लुटिया डुबोने में अभिभूत हो रहे हैं।

लिपि नये संकट से गुजर रही है। इंटरनेट खास तौर पर फेसबुक, एक्स, वॉट्सएप, इंस्टाग्राम पर अनेक लोग देवनागरी के बजाय रोमन में हिन्दी लिखते हैं। 'बड़बड़' के लिए लरीलरी/ लरवलरव (बर्बर या बारबर या बार-बार) लिखा जा रहा है। 'करता', 'कराता', 'कर्ता' में फर्क कर पाना भी संभव नहीं रहा है। जैसे-जैसे पीढ़ी पेपरलेस हो रही है, स्क्रिप्टलेस भी होती जा रही है।

संसर्गजन्य संवेदनहीनता, थोथे दंभवाला कृत्रिम मनुष्य तैयार कर रही है। कृत्रिमता की पराकाष्ठा है कि मातृभाषा या हिन्दी न बोल पाने पर व्यक्ति संकोच अनुभव नहीं करता पर अंग्रेजी न जानने पर उसकी आँखें स्वयंमेव नीची हो जाती हैं। शर्म से गड़ी इन आँखों को देखकर मैकाले और उसके वैचारिक वंशजों की आँखों में विजय के अभिमान का जो भाव उठता होगा, ग्यारह अक्षौहिणी सेना को परास्त कर वैसा भाव पांडवों की आँखों में भी न उठा होगा।

हिन्दी पखवाड़ा, सप्ताह या दिवस मना लेने भर से हिंदी के प्रति भारतीय नागरिक के कर्तव्य की इतिश्री नहीं हो जाती। आवश्यक है कि नागरिक अपने भाषाई अधिकार के प्रति जागरुक हों। समय की मांग है कि हिन्दी और सभी भारतीय भाषाएँ एकसाथ आएँ।

बीते सात दशकों में पहली बार भाषा नीति को लेकर वर्तमान केंद्र सरकार संवेदनशील और सक्रिय दिखाई दे रही है। राष्ट्र और राष्ट्रीयता, भारत और भारतीयता के पक्ष में स्वयं प्रधानमंत्री ने पहल की है। नयी शिक्षा नीति में भारत सरकार ने पहली बार प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने को प्रधानता दी है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी भारतीय भाषाओं का प्रवेश हो चुका है, यह सराहनीय है।

केदारनाथ सिंह जी की प्रसिद्ध कविता है, जिसमें वे कहते हैं,

जैसे चींटियाँ लौटती हैं/ बिलों में,
कठफोड़वा लौटता है/ काठ के पास,
वायुयान लौटते हैं/ एक के बाद एक,
लाल आसमान में डैने पसारे हुए/
हवाई-अड्डे की ओर/
ओ मेरी भाषा/ मैं लौटता हूँ तुम में,
जब चुप रहते-रहते/
अकड़ जाती है मेरी जीभ/
दुखने लगती है/ मेरी आत्मा..!

अपनी भाषाओं के अरुणोदय की संभावनाएँ तो बन रही हैं। नागरिकों से अपेक्षित है कि वे इस अरुण की रश्मियाँ बनें।

बोध कथा

सिंह और सियार

वर्षों पहले हिमालय की किसी कन्दरा में एक बलिष्ठ शेर रहा करता था। एक दिन वह एक भैंसे का शिकार और भक्षण कर अपनी गुफा को लौट रहा था। तभी रास्ते में उसे एक मरियल-सा सियार मिला जिसने उसे लेटकर दण्डवत प्रणाम किया।

जब शेर ने उससे ऐसा करने का कारण पूछा तो उसने कहा, सरकार मैं आपका सेवक बनना चाहता हूँ। कुपया मुझे आप अपनी शरण में ले लें। मैं आपकी सेवा करूँगा और आपके द्वारा छोड़े गये शिकार से अपना गुजर-बसर कर लूंगा।' शेर ने उसकी बात मान ली और उसे मित्रवत अपनी शरण में रखा।

कुछ ही दिनों में शेर द्वारा छोड़े गये शिकार को खा-खा कर वह सियार बहुत मोटा हो गया।

प्रतिदिन सिंह के पराक्रम को देख-देख उसने भी स्वयं को सिंह का प्रतिरुप मान लिया। एक दिन उसने सिंह से कहा, 'अरे सिंह ! मैं भी अब तुम्हारी तरह शक्तिशाली हो गया हूँ। आज मैं एक हाथी का शिकार करूंगा और उसका भक्षण करूंगा और उसके बचे-खुचे माँस को तुम्हारे लिए छोड़ दूँगा।'

चूँकि सिंह उस सियार को मित्रवत देखता था, इसलिए उसने उसकी बातों का बुरा न मान उसे ऐसा करने से रोका।

भ्रम-जाल में फँसा वह दम्भी सियार सिंह के परामर्श को अस्वीकार करता हुआ पहाड़ की चोटी पर जा खड़ा हुआ। वहाँ से उसने चारों ओर नज़रें दौड़ाई तो पहाड़ के नीचे हाथियों के एक छोटे से समूह को देखा। फिर सिंह-नाद की तरह तीन बार सियार की आवाजें लगा कर एक बड़े हाथी के ऊपर कूद पड़ा। किन्तु हाथी के सिर के ऊपर न गिर वह उसके पैरों पर जा गिरा। और हाथी अपनी मस्तानी चाल से अपना अगला पैर उसके सिर के ऊपर रख आगे बढ़ गया। क्षण भर में सियार का सिर चकनाचूर हो गया और उसके प्राण पखेरु उड़ गये।

पहाड़ के ऊपर से सियार की सारी हरकतें देखता हुआ सिंह ने तब यह गाथा कही 'होते हैं जो मूर्ख और घमण्डी, होती है उनकी ऐसी ही गति।'

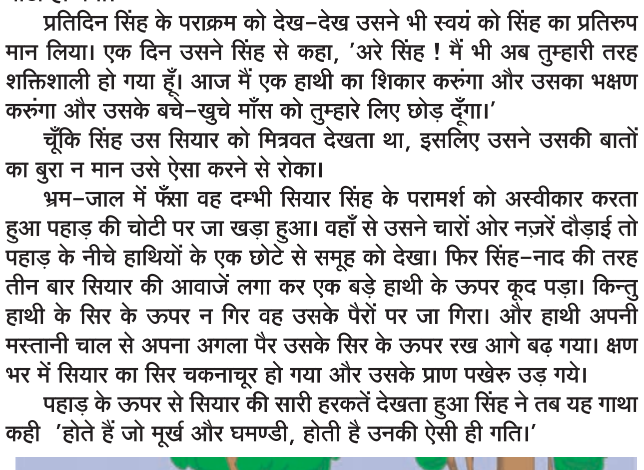

वीर गाथा

नायब सूबेदार पी. पबीन सिंघा: ग्रेनेड धमाकों में भी रहे अडिग, एलओसी पर आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाया

नायब सूबेदार पी. पबीन सिंघा का जन्म मणिपुर के जिरीबाम में हुआ था। माता पाढा देवी और पिता चंदमंत सिंघा के बेटे पबीन ने भारतीय सेना में भर्ती होकर देश के कई दुश्मनों का खात्मा करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पबीन भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। बाद में उन्हें 56 राष्ट्रीय राइफल्स में भेज दिया गया था। 25 अक्टूबर, 2023 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से कुछ आतंकवादियों के बारे में सूचना मिली थी।

इसके बाद पबीन को घुसपैठ रोधी अभियान के तहत कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर तैनात एक एंबुश पार्टी की जिम्मेदारी सौंपी गई। 26 अक्टूबर को सुबह 10.10 बजे आतंकवादी नजर आए। उस समय पबीन ने रणनीति के अनुसार एंबुश की जगह बदल दी, ताकि आतंकवादियों को भागने का मौका ही न मिले।

लगभग 10.25 बजे हमला किया गया। इसके बाद आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की। उन्होंने ग्रेनेड भी फेंके। अपनी टीम पर मंडराते खतरे को ध्यान में रखते हुए पबीन रेंगते हुए आगे बढ़े। उन्होंने अपने 'लक्ष्य' पर निशाना साधा और एक आतंकवादी को ढेर कर दिया।

अब तो आतंकवादी बुरी तरह घबरा गए थे। उन्होंने खूब ग्रेनेड फेंके। इस दौरान दो आतंकवादी मौके का फायदा उठाकर भागने लगे। पबीन की उन पर नजर थी। उन्होंने आतंकवादियों पर गोलीबारी कर दबाव बनाए रखा और आखिरकार अपने साथी जवानों के सहयोग से उनका खात्मा कर दिया।

नायब सूबेदार पी. पबीन सिंघा ने असाधारण साहस, दृढ़ निश्चय के साथ शानदार नेतृत्व करते हुए न सिर्फ आतंकवादियों का खात्मा किया, बल्कि अपने जवानों की सुरक्षा का भी बहुत ध्यान रखा। ऐसे वीर सैनिकों पर देश को गर्व है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं सुशीला कार्की का वाराणसी से गहरा नाता

वाराणसी/भाषा। नेपाल में अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की (73) का वाराणसी से गहरा नाता है। सुशीला कार्की ने हाल ही में एक साक्षात्कार में खुद को 'भारत का मित्र' बताया था। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की।

बीएचयू में रहने के दौरान ही सुशीला की मुलाकात अपने जीवनसाथी दुर्गा प्रसाद सुबेदी से हुई थी। बीएचयू में राजनीति विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर दीपक मलिक ने प्रसिद्ध विश्वविद्यालय में कार्की के प्रवास को जीवंत रूप से याद किया।

प्रोफेसर मलिक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सुशीला कार्की ने 1975 में बीएचयू से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर किया था। उस समय, वाराणसी लंबे समय तक नेपाल में राजशाही विरोधी आंदोलन का केंद्र था। उन्होंने कहा कि कार्की भी उसी 'राजशाही विरोधी' आंदोलन से जुड़ी थीं।

लेखक बीपी कोइराला, जो बाद में नेपाल के प्रधानमंत्री बने, उसी समय वाराणसी में सक्रिय थे। मलिक ने कहा, 1940 से 1980 के बीच बीपी कोइराला भी वाराणसी में थे और नेपाली कांग्रेस के लिए काम कर रहे थे, जिसका आधार बीएचयू था। इस तरह सुशीला कार्की राजशाही विरोधी आंदोलन से जुड़ गईं। उन्होंने नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री को 'एक बेहद ईमानदार और सक्षम नेता' बताया। प्रोफेसर ने कहा, नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला कार्की का चुनाव नेपाल के इतिहास में एक बड़ा कदम है। मैं उन्हें बधाई देता हूं। मलिक ने कहा कि नेपाली युवाओं ने भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता पर सवाल उठाए हैं तथा इन मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, युवाओं ने भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता के मुद्दे पर नेपाल में सरकार गिरा दी।

सुशीला कार्की ने शुक्रवार रात को शपथ ली और इसी के साथ वह नेपाल की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कार्की को पद की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि अंतरिम प्रधानमंत्री कार्की के नेतृत्व वाली नई कार्यवाहक सरकार को छह महीने के भीतर नए संसदीय चुनाव कराने का अधिकार है।

स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शनिवार को मणिपुर के इंफाल पहुँचने पर भव्य रोड शो के दौरान उत्साही भीड़ ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग : पिता ने कहा- हम दहशत में नहीं, पुलिस और प्रशासन हमारे साथ

मुंबई/एजेन्सी

उत्तर प्रदेश के बरेली में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर शनिवार तड़के अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की। यह घटना सुबह करीब 3 बजे हुई, जब दो अज्ञात लोग बाइक पर आए और दिशा के घर पर कई राउंड गोलियां चलाकर फरार हो गए। दिशा के पिता जगदीश पाटनी ने बताया कि पुलिस और प्रशासन इस मामले में पूरी तरह सक्रिय है। जगदीश पाटनी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया, यह घटना सुबह तड़के हुई। दो अज्ञात लोग बाइक पर आए और मेरे घर पर फायरिंग कर फरार हो गए। स्थानीय पुलिस, एसएसपी और एडीजी समेत पूरी पुलिस फोर्स इस मामले में सक्रिय है। कई टीमें जांच कर रही हैं। जैसे ही कोई नतीजा निकलेगा, जानकारी साझा की जाएगी।

उन्होंने यह भी साफ किया कि उनकी किसी से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं पुलिस और आर्मी बैकग्राउंड से हूं। अगर कोई पुरानी रंजिश मानता है, तो यह कहना मुश्किल है, लेकिन मेरी जानकारी में कोई दुश्मनी नहीं है। जगदीश पाटनी ने अपनी बेटी खूशबू पाटनी के सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर उठे विवादों पर भी सफाई दी। कुछ समय पहले खूशबू के नाम से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई थी, जिसमें कथित तौर पर साधु-संतों और धर्म के खिलाफ टिप्पणी की थी। इस पर जगदीश ने कहा, हम सनातनी हिंदू हैं और सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। साधु-संत हमारे लिए पूजनीय हैं। अगर किसी ने खूशबू की पोस्ट को काट-छांट कर गलत तरीके से पेश किया, तो यह सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल है। हम ऐसा कभी नहीं कर सकते।

उन्होंने आगे कहा कि इस घटना से परिवार डरा हुआ नहीं है। मैं फोर्स से हूं, हमें ऐसी परिस्थितियों की ट्रेनिंग मिली है। हम दहशत में नहीं हैं। पुलिस और प्रशासन हमारे साथ हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति की तारीफ की और कहा कि मुख्यमंत्री ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करते। उन्होंने मांग की कि हमलावरों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

'भारत रत्न' से अलंकृत भूपेन हजारिका के गीत भारत को एकजुट करते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 'भारत रत्न' से अलंकृत भूपेन हजारिका के गीत आज भी भारत को एकजुट करते हैं और लोगों में ऊर्जा का संचार करते हैं।

हजारिका के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनका संगीत 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को समाहित करता है। उन्होंने कहा, आज भूपेन दा भले ही शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज लोगों को ऊर्जा देती है।

उनके गीत भारत को एकता के सूत्र में पिरोते हैं। उनका संगीत 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को समेटे हुए है। वह भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में रचे-बसे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हजारिका ने उस समय एकजुट पूर्वोत्तर के लिए आवाज उठाई, जब क्षेत्र में हिंसा का दौर चरम पर था। उन्होंने कहा कि भूपेन हजारिका को 'भारत रत्न' से अंलकृत किया जाना पूरे पूर्वोत्तर के लिए सम्मान की बात है।

इस मौके पर मोदी ने महान गायक के जीवन पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने हजारिका की याद में 100 रुपए का विशेष सिक्का भी जारी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं असम में भूपेन हजारिका के जन्म शताब्दी समारोह का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

नेपाल में सुशीला कार्की का प्रधानमंत्री बनना महिला सशक्तीकरण का शानदार उदाहरण : मोदी

इंफाल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को पदभार संभालने पर बधाई दी और उनकी नियुक्ति को ''महिला सशक्तीकरण का एक शानदार उदाहरण'' बताया। मणिपुर की राजधानी इंफाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल साझा इतिहास, आस्था और सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े घनिष्ठ मित्र रहे हैं तथा नई दिल्ली वहां सत्ता हस्तांतरण के समय पड़ोसी देश के लोगों के साथ दृढ़ता से खड़ी रही। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से कार्की को बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि वह नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी।'' नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की शुक्रवार रात देश की

अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। मोदी ने कहा, ''कार्की का उस देश के शीर्ष पद पर आसीन होना महिला सशक्तीकरण का एक उदाहरण है।'' कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री बनने से कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता समाप्त हो गई। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कारण देशव्यापी आंदोलन के चलते के.पी. शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। कार्की को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, नेपाल के शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले युवा प्रदर्शनकारियों की एक बैठक के बाद चुना गया था। मोदी ने नेपाल के लोगों की भी सराहना की और उल्लेख किया कि पिछले कुछ दिनों में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, कैसे नागरिक, खासकर युवक और महिलाएं, इमारतों की सफाई और रंग-रोगन में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं नेपाल के लोगों को भी बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने इतने अशांत समय के बावजूद लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च रखा है।'' भारत की एकजुटता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश ''एक साथ आगे बढ़ रहे हैं'' तथा नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा और स्थिरता की आकांक्षा का समर्थन करने के लिए नई दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई।

शेखर कपूर ने जेएलएफ न्यूयॉर्क 2025 में अपने बहुआयामी सफर पर डाली रोशनी

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म-मेकर , अभिनेता और क्रिएटिव एंटरप्रेन्योर शेखर कपूर हमेशा से ही एक ऐसे कहानीकार रहे हैं जो सीमाओं को चुनौती देते हैं। 'एलिज़ाबेथ' जैसी विश्व प्रसिद्ध फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले शेखर कपूर की रचनाएं ऑस्कर, बाफ्टा और फिल्मफेयर जैसे पुरस्कारों के लिए नामांकित हो चुकी हैं। उनके काम में भव्यता और संवेदनशीलता दोनों ही देखने को मिलती है।

सिनेमा के अलावा, उन्होंने दुबई एक्सपो 2022 के भव्य म्यूजिकल शो का निर्माण ए.आर. रहमान के साथ मिलकर किया, जो कला, संस्कृति और तकनीक के संगम की उनकी दृष्टिकोण का प्रमाण है। जेएलएफ न्यूयॉर्क 2025 में, उन्होंने फेस्टिवल प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय के साथ एक गहन बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपनी रचनात्मक यात्रा की कई परतों को दर्शकों के सामने उजागर किया। इतिहास को पर्दे पर जीवंत करने से लेकर वैश्विक म्यूजिकल थिएटर में प्रयोग करने तक, उन्होंने उस निरंतर विकास के बारे में बात की जो उनके रचनात्मक कार्य को प्रेरित करता है।

भारतीय जड़ों और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के बीच संतुलन बनाने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाने वाले, शेखर कपूर के जेएलएफ में संवाद ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कैसे रचनात्मकता जब विभिन्न क्षेत्रों में पनपती है, तो वह जीवन भर की खोज बन सकती है। जेएलएफ में उनकी उपस्थिति ने न सिर्फ उनके व्यक्तिगत योगदान को सम्मानित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि भारतीय रचनात्मकता किस प्रकार कंटेम्परेरी ग्लोबल कल्चर को आकार दे रही है।

'मंकी इन ए केज' फिल्म को नजरअंदाज करना मुश्किल : सबा आजाद

नई दिल्ली/एजेन्सी

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) के स्पेशल प्रेजेंटेशंस सेक्शन में फिल्म 'मंकी इन ए केज' को प्रदर्शित किया गया। अनुराग कश्यप की निर्देशित फिल्म में सबा आजाद ने मुख्य भूमिका निभाई। अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने आईएएनएस से खुलकर बात की। सबा आजाद ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि उनके किरदार खुशी को निभाने के लिए उन्हें एक जटिल और नैतिक रूप से पेचीदा दुनिया में कदम रखना पड़ा। उन्होंने कहा, ''अभिनय का मतलब यह नहीं है कि हमें उन सभी अनुभवों से गुजरना पड़े जो हमारे किरदारों ने किए हैं, बल्कि यह है कि हम उन पात्रों के साथ सहानुभूति कर सकें, चाहे वे कितने भी नैतिक रूप से उलझे हुए हों। मैंने खुशी के किरदार के साथ-साथ सहानुभूति रखने की पूरी कोशिश की।'' सबा ने आगे कहा कि अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों के मन में लंबे समय तक रहती हैं।

उन्होंने कहा, ''अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ती हैं। दर्शक जब थिएटर से बाहर निकलते हैं तो उनके दिमाग में फिल्म की कहानी का असर होता है। यह भी ऐसी ही फिल्म है, जो जरूर चर्चा पैदा करेगी और अलग-अलग लोगों में विरोधाभासी भावनाएं जगाएगी। लोग इसे पसंद करेंगे, हो सकता है कुछ लोग इसे नापसंद भी करें, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे।'' फिल्म में बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्बी जैसे कलाकार भी हैं। 'मंकी इन ए केज' एक संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म है, जो एक सुपरस्टार पर लगे रेप के आरोप और इसके आसपास के सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को दिखाती है। बॉबी देओल के साथ

अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में सबा ने बताया कि उनकी शुरुआत में सामान्य बातचीत हुई, लेकिन जैसे-जैसे काम करना जारी रखा, उनकी बॉन्डिंग और भी मजबूत हो गई। उन्होंने बॉबी की तारीफ करते हुए कहा, ''बॉबी एक बड़े दिल वाले कलाकार हैं, वह फिल्म में पूरी ईमानदारी के साथ अपना किरदार निभाते हैं। उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था।''

अनुष्का शेट्टी ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक लेने जा रही हैं। अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर एक लेटर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ब्लू लाइट छोड़कर अब मोमबत्ती की रोशनी की ओर जा रही हूं। थोड़े समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहूंगी ताकि स्क्रॉलिंग की दुनिया से दूर रहूं और वहां जा सकूं, जहां से हम सबने शुरुआत की थी।ख्स्र

दुनिया से फिर से जुड़ने और अपने काम पर ध्यान देने के लिए, जल्द ही आप सबसे फिर मिलूंगी, ढेर सारी कहानियों और प्यार के साथ। हमेशा के लिए मुस्कुराते रहिए। प्यार, अनुष्का शेट्टी। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, प्यार जो कभी खत्म न हो। वर्कफ्रंट की

बात करें तो अनुष्का की हालिया रिलीज फिल्म 'घाटी' है, जिसका निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। फिल्म में अनुष्का के साथ विक्रम प्रभु मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। पहले यह 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसके प्रोडक्शन से जुड़ा कुछ काम बाकी था, जिस वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी थी। तमिल अभिनेता विक्रम प्रभु ने फिल्म में देसी राजू का किरदार निभाया है। उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के लिए आठ किलो वजन कम किया था। अनुष्का शेट्टी ने इस फिल्म से करीब दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी की थी।

इससे पहले वह साल 2023 में फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं। 'घाटी' फिल्म में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म में अनुष्का ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है।

'डू यू वाना पार्टनर' महिला उद्यमियों की अलग तस्वीर पेश करेगा : तमन्ना भाटिया

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसमें डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले तमन्ना भाटिया ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। तमन्ना भाटिया ने यह भी बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट क्यों उन्हें पसंद आई, साथ ही महिला उद्यमियों की यह कैसी तस्वीर पेश करेगा। तमन्ना भाटिया ने आईएएनएस से कहा, जब मैंने पहली बार इसकी पटकथा पढ़ी, तो मैंने इसे सिर्फ उद्यमी ड्रामा के रूप में नहीं देखा। इसकी लीड एक्टर दोनों महिलाएं हैं, और इस तरह का संयोजन पहले कभी स्क्रीन पर नहीं दिखा। मुझे इसकी सिटकॉम जैसी ऊर्जा बहुत पसंद आई, और यही वह समय था जब मैंने पात्रों को गौर से देखा, क्योंकि वे बहुत दिलचस्प हैं।

तमन्ना ने आगे कहा, जैसे-जैसे आप किरदारों की यात्रा का अनुसरण करते हैं, आप एक दुनिया का अनुभव करते हैं। जैसे बचपन में मेरा पसंदीदा शो 'एली मैकबील' था और वह एक लॉ फर्म पर आधारित था, इसलिए उन पात्रों के माध्यम से वकीलों की दुनिया दिखाई जाती है, इसलिए मुझे लगता है कि इस शो में भी कुछ ऐसा ही माहौल है। 'डू यू वाना पार्टनर' कैसे महिला बिजनेस वुमेन्स को अलग तरीके से पेश करता है, इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, महिलाएं कैसे शक्तिशाली बनती हैं, उस सफर को यहां दिखाया गया है। मुझे इस शो की यही बात सबसे अधिक पसंद आई।

वरना जब आप शक्तिशाली महिलाओं को दिखाते हैं, तो आप उन्हें पहले ही सूट-बूट में दिखाकर काम चला लेते हैं। उन्हें देख हमेशा ऐसा लगता है कि वे पहले ही वहां पहुंच चुकी हैं। मगर इस सीरीज में ऐसा नहीं है, यहां उन्हें अलग तरह से पेश किया जाएगा। 'डू यू वाना पार्टनर' में दो सहेलियों की कहानी है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं। यह सीरीज 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

कंगना ने मानहानि मामले में याचिका वापस ली, न्यायालय ने कहा कि ट्वीट में 'मिर्च मसाला' जोड़ा गया था

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय से अपनी याचिका वापस ले ली जिसमें 2020-21 के किसान आंदोलन के संबंध में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए उनके खिलाफ दर्ज शिकायत को रद्द करने से उच्च न्यायालय के इनकार को चुनौती दी गई थी। उच्चतम न्यायालय ने उनसे कहा, ''यह केवल साधारण रीट्वीट नहीं था और आपने इसमें 'मिर्च मसाला' लगा दिया था।'' यह मामला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। पीठ ने सुनवाई में अनिच्छा दिखाते हुए कहा कि उक्त ट्वीट या रीट्वीट की व्याख्या पर कम से कम रद्द करने की याचिका में विचार नहीं किया जा सकता।

कंगना के वकील ने पीठ से कहा कि अभिनेत्री ने ट्वीट को रीट्वीट किया था। वकील ने कहा, ''उन्होंने बस ट्वीट को रीट्वीट किया था। मूल ट्वीट में पहले ही अन्य लोगों के अनेक रीट्वीट थे।'' न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, ''पृष्ठ 35 पर अपनी टिप्पणियों के बारे में आप क्या कहते हैं? जैसा कि आप कहते हैं, यह कोई साधारण रीट्वीट नहीं है। आपने कुछ जोड़ा था, आपने पहले की बात में मिर्च मसाला डाला था।'' जब वकील ने रीट्वीट का जिक्र किया तो पीठ ने कहा, ''इसका क्या मतलब है? यह तो मुकदमे का विषय है।'' वकील ने कहा कि उन्होंने मामला रद्द करने की याचिका दायर की है और रनौत ने स्पष्टीकरण भी दिया है।न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि स्पष्टीकरण निचली अदालत में दिया जा सकता है और रद्द करने की याचिका पर कार्यवाही में नहीं।

वकील ने कहा कि आज उनकी

मुवक्किल के लिए स्थिति यह है कि वह पंजाब में यात्रा नहीं कर सकतीं। पीठ ने कहा कि वह पेश होने से छूट का अनुरोध कर सकती हैं। वकील ने कहा कि निचली अदालत ने मामले में रनौत को समन जारी करते समय उनके स्पष्टीकरण पर विचार नहीं किया। पीठ ने कहा, ''हो सकता है कि शिकायतकर्ता ने इसे दायर न करने का फैसला किया हो। यह आपके लिए एक वैध बचाव हो सकता है।'' पीठ ने आगे कहा, ''पृष्ठ 35 पर जो लिखा गया है, उस पर हमें टिप्पणी करने के लिए न कहें। इससे आपके मुकदमे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। हमें टिप्पणी करने के लिए न कहें। आपके पास एक वैध बचाव हो सकता है, हम उस पर विचार नहीं कर रहे हैं। लेकिन ऐसा करने के और भी तरीके हैं।'' न्यायमूर्ति नाथ ने वकील से पूछा कि क्या याचिकाकर्ता अपनी याचिका वापस लेना चाहती हैं। वकील ने कहा, ''मेरी मुवक्किल याचिका वापस लेंगी।'' तब पीठ ने इसकी अनुमति दे दी। अ

भिनय से राजनीति में आईं कंगना ने अपने खिलाफ शिकायत को रद्द करने से इनकार करने के पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। उन्होंने मानहानि की शिकायत को चुनौती दी जो उनके उस रीट्वीट पर आधारित थी जिसमें अब निरस्त हो चुके कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 के किसान विरोध प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी के बारे में उनकी अपनी टिप्पणी शामिल थी। शिकायतकर्ता महिंदर कौर (73), जो पंजाब के बठिंडा जिले के बहादुरगढ़ जांडियान गांव की रहने वाली हैं, ने जनवरी 2021 में बठिंडा में शिकायत दर्ज कराई थी। बठिंडा की एक अदालत में उनकी शिकायत में दावा किया गया था कि अभिनेत्री ने एक रीट्वीट में उनके खिलाफ 'झूठे आरोप लगाए और टिप्पणियां' की थीं जिनमें कहा गया था कि वह वही 'दादी' हैं जो शाहीन बाग में हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल थीं। कंगना के वकील ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में तर्क दिया था कि बठिंडा अदालत का समन आदेश अपराध प्रक्रिया संहिता का उल्लंघन होने के कारण टिकने योग्य नहीं है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

हमेशा अच्छे संगत में रहने का प्रयास करें : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सान्निध्य में शनिवार को उवसग्गहर स्तोत्र का तीसरा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुनिश्री ने प्रवचन में परदेशी राजा की कहानी को आगे बढ़ाते हुए महत्वपूर्ण संदेश दिए। उन्होंने बताया कि परदेशी राजा ने जब श्रावक के 12 व्रत स्वीकार कर लिए, तो केसी श्रमण ने उसे शिक्षा देते हुए कहा, ध्यान रखना, अब तू धार्मिक हो गया है, आगे जाकर अधार्मिक मत हो जाना। तू अहिंसक हो गया है, वापस हिंसक मत बनना। अब तू दानी हो गया है, तो फिर से कंजूस मत बनना। तू सत्यवादी हो गया है, तो फिर झूठ की राह मत पकड़ना।

मुनिश्री ने समझाया कि यदि एक बार हमने सही राह पकड़ ली है, तो फिर गलत मार्ग की ओर नहीं जाना चाहिए। अगर हमने झूठ बोलना छोड़ दिया है, तो उसे दोबारा शुरु नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन हम जिन सच्चे संतों और भगवान का नाम लेते हैं, जिनके आगे नमन करते हैं, उनके सामने कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि दान देना संभव नहीं है तो स्पष्ट कह दें कि भाव नहीं है – लेकिन यह न कहें कि मेरे पास है ही नहीं। अमीर होते हुए गुरु के सामने गरीब बनना बहुत बड़ी गलती है, क्योंकि यदि हम गुरु के सामने अपनी अमीरी छुपाकर कहेंगे कि हमारे पास कुछ नहीं है, तो एक दिन वास्तविक गरीबी का सामना करना पड़ेगा। डॉ. समकित मुनि ने आगे कहा, जीवन में हमेशा ऐसी संगत करनी चाहिए जो हमें सही मार्ग दिखाए, बुरी आदतों से दूर रखे और हमारे भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाए। अच्छे लोगों के साथ रहने का जितना हो सके प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि परदेशी के जीवन में इतना गहरा परिवर्तन आया कि अब उसे संसार में मन ही नहीं लगता। आने वाले प्रवचन में वह यह बताएंगे कि उसके इस परिवर्तन से परिवार में क्या बदलाव आया। मच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

‘आज व्यक्ति निष्ठुर, निर्दयी और संवेदनहीन होता जा रहा है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि एक्सीडेंट, बाढ़, भूकंप, अथवा बीमारी में मानव जन्म और मृत्यु के बीच जूझ रहा हो, दम तोड़ रहा हो और समय सहयोग के बजाय सेल्फी लेने मे मशगूल होता है। आनंदित होता ह।, वह निष्ठुर, निर्दयी, संवेदनहीन को देखकर शैतान भी शर्मिंदगी महसूस करता है। ऐसा मानव दानव और राक्षस से कम नहीं है। दर्द पीड़ा से अनजान बना हुआ तमाशाबीन की लाइन में खड़ा हो जाता है ऐसा व्यक्ति मानवता पर कलंक है। इंसान तो क्या पशु भी प्राणी मात्र की रक्षा के लिए अपने प्राण लूट कर रक्षा करते हैं ऐसी आत्मा को देव शक्ति भी नमन करती है।

जैन संत ने कहा कि पंजाब सहित देश में कितने इलाके में आई भीषण बाढ़ में सब कुछ तबाह हो गया। संकट की बेला में प्रत्येक देशवासियों का कर्तव्य है कि अपने ही भाइयों के लिए तन, मन और धन से सेवा में समर्पित होकर संकट की बेला में भावनात्मक रिश्ते मजबूत करें हर संभव सहयोग करके संकट से मुक्त करें। इस प्राकृतिक आपदा को देखते हुए अखिल भारतीय ज्ञान दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली ने पूरे देश में नवरात्रि दशहरा दिवाली आदि पर्वों को को सादगी से मनाने की घोषणा करते हुए उसे राशि को सेवा में समर्पित करेंगे। मुनि कमलेश के सानिध्य में 14 सितंबर को तपस्वी सक्षम मुनि जी का 33 तपस्या अभिनंदन समारोह जैन भवन में सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

राजस्थानी ओलिंपियाड ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता एवं समापन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पिछले तीन महीने से चल रहे राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा मारुति बिल्डर्स प्रस्तुत राजस्थानी ओलंपियाड 2025 रजत खेल उत्सव पावर वाई एमआई लाइफस्टाइल ज्ञानचंद अंचलिया ट्रैक एंड फील्ड टूर्नमिंट के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि तमिलनाडु सरकार् के पूर्व मुख्य सचिव शिव दास मीणा, सम्मानित अतिथि मारुति बिल्डर्स लिमिटेड के चेयरमैन प्यारेलाल पितलिया, विजय सुभम बेनिफिट फंड लिमिटेड के अध्यक्ष ज्ञानचंद आंचलिया के हाथों से 14 सितम्बर को पेरियामेन्ट स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उद्घाटन किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर अध्यक्ष नरेन्द्रश्रीश्रीमाल के कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें ओलंपियाड की टीम के कमिटी सदस्य शामिल हुए। मार्च पास्ट के पश्चात ट्रेक एंड फील्ड शुरू होगा। जिसमें चेन्नई की 40 से भी अधिक विध्यालयों के करीब 1400 एथलीट विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेंगे।

समय से बड़ा बलवान कोई नहीं : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जो प्रयास करते हैं, निरंतर अभ्यास करते हैं, वह विद्वान बन जाते हैं। धीरे धीरे ही सब कुछ होता है। कितना भी बड़ा अज्ञानी क्यों न हो, अगर लगातार अभ्यास करता रहा तो वह भी विद्वान बन सकता है। उत्तराध्ययन सूत्र का श्रवण करते करते महापुरुष महान बन गए, इसलिए कहते हैं कि लगातार अभ्यास करते रहना चाहिए। जीवन को बदलने का सबसे अच्छा मार्ग अभ्यास है। किसी भी चीज का अभ्यास किया जाए तो एक दिन वह परफेक्ट बन जाता है। धर्म, ध्यान का भी अभ्यास करते करते मनुष्य का जीवन बदल जाता है। मनुष्य को अपनी इंद्रियों पर काबू रखना चाहिए। अगर काबू नहीं किया तो कर्मों के चक्र में फंसना पड़ेगा। कर्म किसी को छोड़ने वाला नहीं है। संतश्री ने कहा कि जब मनुष्य धर्म में लगता है तो उसको अच्छे, बुरे कर्मों के बारे में पता चल जाता है। मनुष्य अपने कर्मों की वजह से ही संसार में भटक रहा है। जब तक कर्मों की निर्जरा नहीं होगी, संसार में भटकना जारी रहेगा। सब सुख और दुख का कारण कर्म ही है। संसार को पार करना है तो कर्मों को समझना पड़ेगा। दुख और सुख दोनों हमारा ही है। ये सब हमारे कर्मों का ही परिणाम है। जैसा देंगे वापस वैसा ही मिलेगा। समय बहुत बलवान होता है। चेतनप्रकाश डुंगरवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया।

संचालन करते हुए महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने कार्यक्रम की जानकारी दी ।

सुनील शर्मा चैम्पियन्स कप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में प्रथम राष्ट्रीय खेल उत्सव ‘सुनील शर्मा चैम्पियन्स कप’ के दूसरे दिन शनिवार को कोरमंगला स्थित सेंट जॉन्स खेल मैदान में तीन मैच खेले गए । शुक्रवार को खेले गए प्रारंभिक मैचों में मैन ऑफ दि मैच विजेता खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सुनील शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

बेंगलूरु के मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के सदस्यों ने शनिवार को राष्ट्रीय सेवा प्रकल्प ’आनंद सबके लिए’ के अंतर्गत खुशियों की थाली ‘अन्नदान’ कार्यक्रम का आयोजन मैसूर बैंक सर्कल हनुमान मंदिर के पास किया जिसमें बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इस मौके पर विशेष रूप से सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र गोयल, संयोजक रूपेश केडिया, प्रायोजक वैभव खंडेलवाल और करण राजपुरोहित सहित मंच के उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष स्नेह जाजू, सचिव सन्नी जैन, वरिष्ठ सदस्य पवन रजलीवाल आदि अनेक सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग दिया।

हिन्दी दिवस

दक्षिण भारत में अमोलकऋषि ने किया जैन आगमों का प्रथम हिंदी अनुवाद

डॉ. दिलीप धींग

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं में हिंदी का प्रमुख स्थान है। भारत की बहुसंख्यक आबादी द्वारा हिंदी बोली, लिखी, पढ़ी और समझी जाती है। देश के विभिन्न भागों की सम्पर्क भाषा और अन्य भाषाओं व अन्य भारतीय भाषाओं की सखी व भगिनी होने के कारण हिंदी में विभिन्न भाषाओं के शब्द भी सम्मिलित हो गये या कर लिये गये हैं। अपनी ग्रहणशीलता, उदारता, सरलता और विकासशीलता के कारण हिंदी निरन्तर समृद्ध हुई और हो रही है। हिंदी को समृद्ध बनाने में प्राकृत का बुनियादी और अभिन्न योगदान है।

हिंदी में जिस प्रकार संस्कृत शब्दों की प्रचुरता है, उसी प्रकार प्राकृत के शब्दों की भी भरमार हैं। हिंदी के पोषण में संस्कृत की तरह प्राकृत की भूमिका भी है। हिंदी के पूर्व रूप हमें संस्कृत, विभिन्न प्राकृत भाषाओं एवं अपभ्रंश में देखने को मिलते हैं। हिंदी के आदिकाल के प्रथम और द्वितीय चरण को क्रमशः प्राकृत-युग’ और अपभ्रंश-युग’ कहा जा सकता है। प्राकृत का आशय किसी जाति, स्थान या काल विशेष की भाषा से नहीं, अपितु विशाल भारतवर्ष के प्राणों में स्पन्दित होने वाली उन बोलियों के समूह से है, जो ईस्वी पूर्व लगभग छठी शताब्दी से लेकर ईसा की चौदहवीं शताब्दी तक यानी लगभग दो हजार वर्षों तक भाषा के रूप में प्रतिष्ठित रहीं।

इसी प्राकृत भाषा के एक प्राचीन रूप अर्धमागधी प्राकृत भाषा में लगभग ढाई हजार वर्ष प्राचीन विशाल आगम साहित्य उपलब्ध है। श्वेतांबर जैन समाज में ऐसे 45 आगमों (शास्त्रों) की विशेष मान्यता है। स्थानकवासी और तेरापंथी जैन समाज में बत्तीस आगमों को विशेष महत्व दिया जाता है। प्राकृत भाषा के ऐसे बत्तीस आगमों का सर्वप्रथम हिंदी अनुवाद लगभग 110 साल पहले हिंदीतर क्षेत्र हैदराबाद सिकंदराबाद में हुआ। आचार्य अमोलकऋषि ने हिंदी खड़ी बोली में पहली बार यह ऐतिहासिक अनुवाद कार्य किया।

मूल और अनुवाद भाषाओं का जानकार, विषय का विद्वान और लेखन कला में निपुण व्यक्ति ही श्रेष्ठ अनुवाद कर सकता है। अमोलकऋषि में ये चारों विशेषताएं थीं। प्रतिदिन सिर्फ एक समय आहार करके वे %-8 घंटे तक प्राकृत से हिंदी अनुवाद कार्य में संलग्न रहते थे। इस कार्य को संपन्न करने में अमोलकऋषि को तीन वर्ष 15 दिन लगे।

बत्तीस आगमों में भगवती सूत्र और स्थानांग सूत्र जैसे अनेक आगम तो बहुत ही विशाल हैं। इसके अतिरिक्त जैन दर्शन के अनेक पारिभाषिक शब्दों का हिंदी में अनुवाद कोई आसान कार्य नहीं था। लेकिन अमोलकऋषि ने अपनी विद्वत्ता से यह कार्य करके हिंदी की अपूर्व सेवा की। प्राकृत से अपना शब्द भण्डार ग्रहण करके हिंदी और समृद्ध हुई। दानवीर श्रावक लाला ज्वालाप्रसाद ने आगम साहित्य को मुद्रित करवाईं और सवा लाख प्रतियाँ देशभर में भिजवाईं। उसके बाद पिछली सदी में आचार्य घासीलालजी महाराज ने हिंदी, गुजराती और संस्कृत में विस्तृत टीका (व्याख्या) के साथ यह सारस्वत कार्य किया। आचार्य तुलसी के वाचना प्रमुखत्व में आचार्य महाप्रज्ञ ने विद्वत्तापूर्ण शैली में आगम संपादन का महनीय कार्य किया। श्रमण संघ के प्रथम आचार्य आत्मारामजी, प्रथम युवाचार्य मधुकरमुनि, मुनि पुण्यविजय, मुनि जम्बूविजय जैसे अनेक मनीषी मुनियों और विद्वानों ने प्राकृत के जरिए हिंदी सेवा की इस अलख को जगाए रखा, जो आज भी समाज को दीप्तिमान बनाए हुए है।

हिंदी बनी व्यावसायिक भाषा

संजीव ठाकुर
मोबाइल :9009 415 415

डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। और यही तथ्य हिंदी भाषा के गौरव को अत्यंत विशाल तथा विराट बनाती है । हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति सनातन तथा संस्कारों की सारगर्भित भाषा है। हिंदी भाषा भारत में ही 141 करोड़ लोगों की भाषा बन चुकी है। देश के लिए जनसंख्या जरूर समस्या के रूप में देखी जा सकती है पर अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए यह एक बड़े बाजार का खजाना ही साबित हो रही है। भारत अब एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता बाजार बन चुका है और और भारतीय उत्पाद को बेचने के लिए हिंदी भाषा एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। भारत में न जाने कितनी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संस्थाएं अपने उत्पाद बेचने के लिए आतुर रहती हैं और यही एक बड़ा कारण है कि उन्हें अपने विज्ञापन तथा माल बेचने के लिए भारतीय उपभोक्ताओं को आकर्षित करने हिंदी में विज्ञापन में बेची जाने वाली वस्तुओं की समस्त जानकारी रखनी होती हैं। यह उनकी व्यावसायिक मजबूरी ही है कि भारत तथा विदेशों में रहने वाले तमाम हिंदुस्तानियों के लिए हिंदी भाषा के माध्यम से प्रचार प्रसार तथा विज्ञापन करती रहें तब जाकर उनका निर्मित उत्पाद विक्रय के लिए बाजार में आ सकेगा। वर्तमान में हिंदी को वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद से जोड़ा गया है। और बीच-बीच में हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिंग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज चैनल में न्यूज एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिंग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं।

भारत की आत्मा, संस्कृति और जनमानस की पहचान है हिन्दी

श्वेता गोयल
मोबाइल : 9034304041

आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय ही आज भले ही अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझतें हों परन्तु सच यही है कि हिन्दी ऐसी भाषा है, जिसे आज दुनिया के अनेक देशों में भी सम्मानजनक दर्जा मिल रहा है और हमारी राजभाषा हिन्दी प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिला रही है। हिन्दी विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है, जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया के कई देशों में बोली जाती है। हिन्दी भाषा को और ज्यादा समृद्ध बनाने के लिए ही प्रतिवर्ष 14 सितम्बर का दिन हिन्दी दिवस’ के रूप में मनाया जाता है और अगले 15 दिनों तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है। अब प्रश्न यह है कि हिन्दी दिवस प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को ही क्यों मनाया जाता है और इसे मनाए जाने की शुरूआत कब हुई?

दरअसल भारत बहुत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दासता का बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। यही कारण रहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा’ बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन’ में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। सही मायने में तभी से हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे। जब देश आजाद हुआ तो सर्वप्रथम 12 सितम्बर 1947 को संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनाने के प्रावधान का प्रस्ताव गोपालस्वामी आयंगर ने रखा था, जो स्वयं एक अहिन्दीभाषी दूरदर्शी नेता थे। सभा की 12 से 14 सितम्बर तक चली तीनदिवसीय बहस में कुल 71 लोगों ने हिस्सा लिया था। लंबे विचार-विमर्श के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राजभाषा होगी। उसके बाद भारतीय संविधान के भाग 17 के अध्याय की धारा 343 (1) में हिन्दी को राजभाषा बनाए जाने के संदर्भ में अंकित कर दिया गया, संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के अनुरोध पर 1953 से देशभर में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

हिन्दी भाषा की चुनौतियों के बारे में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार मृदुला गर्ग कहती हैं कि हिन्दी के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अब बड़ा युवा वर्ग अंग्रेजी की ओर जा रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि अंग्रेजी में ही रोजगार के अवसर हैं और इसलिए वही इस समय की भाषा बन गई है। इसी प्रकार महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अशोक वाजपेयी कहते हैं कि संख्याबल के आधार पर हिन्दी अवश्य विश्वभाषा बन सकती है किन्तु हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी भाषा बिना साहित्य, विचार, आर्थिकी के ऐसा दर्जा हासिल नहीं कर सकती और हिन्दी में इस तरह की तमाम आवाजाही बीते वर्षों में लगातार घटती गई है। देखा जाए तो हिन्दी का करीब 1.2 लाख शब्दों का विशाल समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद अधिकांश लोग हिन्दी लिखते और बोलते समय अंग्रेजी भाषा के शब्दों का भी धड़ल्ले से इस्तेमाल करते हैं। भारतीय समाज में बहुत से लोगों की मानसिकता ऐसी हो गई है कि हिन्दी बोलने वालों को वे पिछड़ा और अंग्रेजी में अपनी बात कहने वालों को आधुनिक का दर्जा देते हैं। ऐसे में प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि इसके माध्यम से लोगों को हिन्दी भाषा के विकास, हिन्दी के उपयोग के लाभ तथा उपयोग न करने पर हानि के बारे में समझाया जा सके। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि हिन्दी उनकी राजभाषा है, जिसका सम्मान और प्रचार-प्रसार करना उनका कर्त्तव्य है और जब तक सभी लोग इसका उपयोग नहीं करेंगे, इस भाषा का विकास नहीं होगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.